संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 03
पृष्ठ 8
बुधवार
18 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बदलते मौसम में इम्यूनिटी...
विचार- केजरीवाल के इस्तीफे के...
खेल- टेस्ट में नया रिकॉर्ड बना सकते हैं...

पीएम मोदी ने ओडिशा की सबसे बड़ी महिला-केंद्रित योजना 'सुभद्रा' सहित कई प्रमुख परियोजनाओं का किया शुभारंभ, बोले..

ओडिशा का विकास महिलाओं के सशक्तिकरण में निहित

भुवनेश्वर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में अपनी यात्रा के दौरान राज्य की सबसे बड़ी महिला–केंद्रित पहल 'सुभद्रा' योजना का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य 1 करोड़ से अधिक महिलाओं को सशक्त बनाना है। प्रधानमंत्री ने इस योजना के तहत 10 लाख से अधिक लाभार्थियों के बैंक खातों में धनराशि हस्तांतरित करने की भी पहल की। प्रधानमंत्री मोदी ने अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर ऐसे परिवर्तनकारी योजना के अवसर पर योजना की शुरुआत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ओडिशा का विकास महिलाओं के सशक्तिकरण में निहित है और सुभद्रा योजना, जो पांच वर्षों में महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 50,000 रुपये की पेशकश करती है, उस लक्ष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक की डिजिटल मुद्रा की पायलट परियोजना से जुड़ी यह योजना भारत में अपनी तरह की पहली योजना है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने ओडिशा में विभिन्न

विकास परियोजनाओंकी आधारशिला रखी, जिसमें 2,800 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाएं और 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा इससे ओडिशा की बुनियादी ढांचे में सुधार और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। इसकेअलावा, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाइ) के एक प्रमुख चरण का शुभारंभ किया, जिसमें 14 राज्योंके लगभग 10 लाख लाभार्थियों को सहायता की पहली किस्त जारी की गई। उन्होंने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के पीएमएवाई के 26 लाख लाभार्थियों के गृह प्रवेश समारोह में भी भाग लिया। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कई परिवारों को घर की चाबियां सौंपी और पीएमएवाई–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी) के लिए अतिरिक्त घरों का सर्वेक्षण करने के लिए आवास+ 2024 ऐप लॉन्च करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों, लंबी तटरेखा और युवा प्रतिभा के महत्व पर जोर दिया, राज्य को भारत की भविष्य की समृद्धि के एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा। उन्होंने नागरिकों से विभाजनकारी ताकतों का विरोध करने का आग्रह किया।

विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति के रूप में मजबूती से उभर रहा भारत : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश की दिशा, गति और क्रियान्वयन का सातत्य भारत एक सुरक्षित राष्ट्र बन गया है तथा विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति के रूप में मजबूती से उभर रहा है। श्री शाह और रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। श्री शाह ने कहा , " आज प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्मदिन है। पूरे देश में कई संस्थाओं ने उनके जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के नाम से मनाने के निर्णय लिया है। 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक 15 दिन देश भर के सभी जरुरतमंदों की सेवा में हमारे जैसे काफी कार्यकर्ता लगेंगे।" उन्होंने कहा कि श्री मोदी एक छोटे से गांव के गरीब परिवार में जन्म लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री बने। दस साल में दुनिया के 15 अलग अलग राष्ट्रों ने श्री मोदी को अपने देश के सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया है। इससे न केवल प्रधानमंत्री जी बल्कि देश का भी गौरव बढ़ा है। उन्होंने

कहा कि 60 साल के बाद पहली बार देश में राजनीतिक स्थिरता का माहौल आया है और नीतियों के सातत्य को भी हमने अनुभव किया है। नीतियों की दिशा, नीतियों की गति और नीतियों का क्रियान्वयन सटीकता से 10 साल तक बरकरार रखकर 11वें साल में प्रवेश करना बहुत कठिन है। श्री शाह ने एक सवाल पर कहा कि जनगणना का काम बहुत जल्द शुरू किया जाएगा। उन्होंने आधारित जनगणना कराये जाने के संबंध में सवाल पर कोई स्पष्ट घोषणा करने की बजाय उन्होंने कहा कि जब जनसंख्या करने की घोषणा की जाएगी तो इस समय सभी चीजों पर बात की जाएगी। उन्होंने जोर दिया कि इसी सरकार के कार्यकाल में 'एक देश एक चुनाव' को लागू कर दिया जाएगा। मणिपुर में हिंसा को रोकने के लिए किए गए उपायों के संबंध में एक सवाल पर श्री शाह ने कहा , "मणिपुर म्यांमार सीमा की फेंसिंग का काम शुरू कर दिया गया है। घुसपैठ रोकने के लिए म्यांमार से केवल वीजा के आधार पर प्रवेश की व्यवस्था की गई है। सीमा पर सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। हाल मेंतीन दिन की हिंसक घटनाओं को छोड़कर वहां पिछले लंबे समय से कोई बड़ी घटनाएं नहीं हुई थी। मुझे आशा है कि मणिपुर की स्थिति पर सरकार बहुत अच्छे तरीके से नियंत्रण कर सकेगी।" गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में शांति बहाली के लिए सरकार ने राज्यों की सीमाओं से संबंधित विवादों के समाधान और उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते सहित कुल 11 समझौते किए हैं और 10000 से अधिक उग्रवादियों ने हथियार डाले हैं। श्री शाह ने कहा कि भारत के विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और गरीबों के कल्याण के लिए लगातार 10 साल समर्पित करने के बाद, भाजपा और हमारे सहयोगियों को इन आम चुनावों में तीसरी बार सरकार बनाने का जनादेश मिला है। यह ऐतिहासिक फैसला श्री मोदी को 60 वर्षों में तीन बार देश की कमान संभालने वाला पहला नेता बनाता है। उन्होंने कहा , "पिछले 10 वर्षों में श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने भारत की बाहरी सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने में बड़ी सफलता हासिल की है, जिससे भारत एक सुरक्षित राष्ट्र बन गया है। उनके नेतृत्व में हमने शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। जब श्मेक इन इंडियाश शुरू किया गया था, तो कई लोगों ने इसका मजाक उड़ाया था, लेकिन आज हमें गर्व है कि भारत दुनिया का सबसे पसंदीदा विनिर्माण केंद्र बन गया है।" श्री शाह ने कहा कि तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे हो रहे हैं। इन 100 दिनों में लगभग 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को शुरू किया गया है। उन्होंने कहा, "इन 100 दिनों को मैंने 14 स्तंभो में बांटा है। बुनियादी ढांचे का जहां तक सवाल है, 100 दिन में 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं हमने घोषित भी की हैं और क्रियान्वयन भी शुरू हो गया है। महाराष्ट्र के वधवान में 76 हजार करोड़ की लागत से मेगा पोर्ट बनेगा, जो पहले दिन से ही विश्व के 10 प्रमुख बंदरगाहों में शामिल होगा।" उन्होंने कहा कि जब अमृत काल शुरू हुआ तो प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ लोग भारत के विकसित राष्ट्र बनने के महान संकल्प और उसकी विकास यात्रा में भागीदार बने। 140 करोड़ लोगों को इतने बड़े विज़न से जोड़ना देश को श्री मोदी पर कितना भरोसा है, इसका प्रमाण है! तीसरी बार सरकार बने 100 दिन बीत चुके हैं. गौरतलब है कि इन 100 दिनों में करीब 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की जा चुकी हैं। 49 हजार करोड़ की लागत से 25 हजार गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने की योजना शुरू की गई है।

आतंकवादी अफ़ज़ल गुरु को बचाने की लड़ाई लड़ने वाले परिवार की महिला को मुख्यमंत्री बनाना दुखद : स्वाति मालीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आतिशी के मुख्यमंत्री चुने जाने जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री एक ऐसी महिला को बनाया जा रहा है जिनके परिवार ने आतंकवादी अफ़ज़ल गुरु को फांसी से बचाने की लंबी लड़ाई लड़ी। सुश्री

मालीवाल ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा "दिल्ली के लिए आज बहुत दुखद दिन है। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री एक ऐसी महिला को बनाया जा रहा है जिनके परिवार ने आतंकवादी अफ़ज़ल गुरु को फांसी से बचाने की लंबी लड़ाई लड़ी। उनके माता पिता ने आतंकी अफ़ज़ल गुरु को बचाने के लिए राष्ट्रपति को दया याचिकाऐं लिखी। उनके हिसाब से अफ़ज़ल गुरु निर्दोष था और उसको राजनीतिक साज़िश के तहत फँसाया गया था।" उन्होंने कहा "वैसे तो आतिशी मार्लेना सिर्फ़ 'डमी मुख्यमंत्री' है, फिर भी यह मुद्दा देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। भगवान दिल्ली की रक्षा करे!" उल्लेखनीय है कि आतिशी को आम आदमी पार्टी की विधायक दल की बैठक में नेता चुनी गई और वह दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा योगी सरकार का फैसला!

बिना इजाजत नहीं होगा बुलडोजर एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार के बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट से बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने देश में 1 अक्टूबर तक बुलडोजर एक्शन पर लगाई रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सुनवाई की अगली तारीख 1 अक्टूबर तक भारत में कहीं भी अदालत की अनुमति के बिना संपत्ति का विध्वंस नहीं होगा। लेकिन स्पष्ट किया कि यह आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों आदि पर किसी भी अनधिकृत निर्माण पर लागू नहीं होगा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच का ये निर्देश अलग–अलग राज्य सरकारों की ओर से दंडात्मक उपाय के तौर पर आरोपी व्यक्तियों की इमारतों को ध्वस्त करने की कार्रवाई के खिलाफ लगी याचिका पर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश देते हुए कहा कि 1 अक्टूबर तक बिना हमारी अनुमति के देश में कहीं पर भी बुलडोजर एक्शन नहीं होगा।

याचिकाकर्ता जमीयत उलेमा–ए–हिंद की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि बीजेपी शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाकर बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। इससे पहले आरोपियों के खिलाफ सजा देने के तौर पर इस्तेमाल एक्शन पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था कि किसी व्यक्ति के घर को इसलिए केवल नहीं गिराया जा सकता क्योंकि वो किसी आपराधिक मामले में आरोपी है। यहां तक की दोषी सिद्ध होने पर भी घर इस तरह से गिराना कानूनन उचित नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि ऐसे देश में जहां सरकार की कार्रवाई कानून के शासन द्वारा शासित होती है, परिवार के किसी सदस्य द्वारा किया गया अपराध परिवार के अन्य सदस्यों या उनके कानूनी तौर पर निर्मित घर के खिलाफ कार्रवाई को आमंत्रित नहीं करता है। अपराध में कथित संलिप्तता किसी संपत्ति के विध्वंस का आधार नहीं है। गुजरात के जावेद अली नामक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उसके परिवार के एक सदस्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के कारण नगर निगम की ओर से उसे मकान गिराने का नोटिस दिया गया है।

खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, राहुल गांधी के खिलाफ दिए जा रहे बयान पर लगाम लगाने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी के लिए बीजेपी नेताओं के बयानों पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने लिखा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अनुशासन और मर्यादा के जरिए ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। ऐसे बयानों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भारत की राजनीति का पतन होने से रोका जा सके। मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्होंने लिखा कि आप अवगत होंगे कि लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ़ बेहद आपत्तिजनक, हिंसक और अशिष्ट बयानों का सिलसिला चल रहा है।

जल संरक्षण के लिए मिलकर काम करने की जरूरत : मुर्मू

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण के लिए सभी हित धारकों को मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि जल ही जीवन है इसलिए सब प्राणियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए जल संरक्षण को आंदोलन बनाने की ज़रूरत है। श्रीमती मुर्मू ने मंगलवार को यहां भारत मंडपम में तीन दिन तक चलने वाले 8वें भारत जल सप्ताह सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि जल संरक्षण को देश ही नहीं पूरी दुनिया में आंदोलन बनाने की ज़रूरत है और इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर पानी बचाने के नए तथा सभी परंपरागत तरीकों को अपना कर पानी का संरक्षण करने की आवश्यकता है। उन्होंने जल संरक्षण के लिए मंत्रालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि जल संरक्षण प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने, इसके विकास और वितरण के लिए सभी हितधारकों के बीच सहयोग, समावेशिता और साझेदारी को बढ़ावा देने के जो प्रयास जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है ।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

आतिशी होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की विधायक दल की बैठक में आतिशी को नेता चुनने के बाद वह दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी। दिल्ली के

कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने आज इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सर्वसम्मति से आतिशी को यह जिमम्मेदारी दी गई है। यह ज़िम्मेदारी उन्हें विषम परिस्थितियों में दी गई है। जिस तरह से भाजपा की केंद्र सरकार ने षड्यंत्र और एजेंसियों का दुरुपयोग करके आम आदमी पार्टी को ख़त्म करने का और दिल्ली की सरकार को तोड़ने का अभियान चलाया उनको विफल करने के लिए आप ने विधायकों की एकजुटता के साथ सरकार के कामों को जारी रखा। भाजपा चाहती थी कि श्री केजरीवाल इस्तीफ़ा दे दें लेकिन उन्होंने लोगों के हितों के लिए जेल के अंदर से सरकार चलाई।जेल से आने के बाद उन्होंने निर्णय लिया कि वह जनता की अदालत में जाएँगे और वह जब तक दोबारा चुनकर नहीं भेजेंगे वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता वॉलिंटियर्स को किया रवाना

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बारिश के बीच स्वच्छता पखवाड़ा 'स्वच्छता ही सेवा' का आरंभ किया और 'नमो प्लॉगेथॉन' को हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्वच्छता वॉलिंटियर्स को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस संबं । में जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 74वें जन्मदिवस पर यह आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता का संदेश देते हुए लोगों को झोला व 'स्वच्छता ही सेवा' टी–शर्ट भी भेंट की।

खतरे के निशान के पास पहुंचकर स्थिर हुई गंगा, यमुना की रफ्तार भी थमी, एनडीआरएफ की टीम मुस्तैद

प्रयागराज। प्रयागराज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत भरी खबर है। गंगा का जलस्तर फिलहाल स्थिर है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार मंगलवार को फाफामऊ में गंगा का पानी घटने लगा है। अब यहां पर 83.94 मीटर पर गंगा बह रही हैं और छह सेंटी मीटर की रफ्तार घट रही हैं। छतनाग में जलस्तर 82.83 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर भी घट रहा है। यहां पर फिलहाल जलस्तर 83.69 मीटर पर है। बता दें कि सोमवार को भी गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि लगातार जारी रही, हालांकि दोपहर 12 बजे की बुलेटिन के अनुसार गंगा फिलहाल स्थिर हो गई हैं। साथ ही यमुना की रफ्तार भी थम गई है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.41 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.91 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। इस हफ्ते हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश हुई तो गंगा और यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया। शुक्रवार सुबह फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.58 मीटर था, छतनाग में 78.10 मीटर और नैनी में यमुना का जलस्तर 79.35 मीटर था। शनिवार को गंगा उफान पर आ गई। इससे संगम क्षेत्र डूब गया। किला की दीवार से होते हुए बांध के नीचे पानी भर गया। रात आठ बजे तक छतनाग में गंगा का जलस्तर 4.51 मीटर बढ़कर 82.61 मीटर हो गया है। इसके बाद यमुना में तेजी से पानी बढ़ा। इसकी सहायक नदियां चंबल, केन और बेतवा भी उफान पर हैं। कई जिलों से होते हुए प्रयागराज में पानी पहुंचा तो वह बाढ़ का रूप ले लिया। यमुना के सापेक्ष शुक्रवार को गंगा का पानी धीमी गति से बढ़ा। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए।सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 3.34 मीटर बढ़कर 82.92 मीटर हो गया है। वहीं, नैनी में यमुना का जलस्तर 3. 69 मीटर बढ़कर 83.03 मीटर हो गया है। बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता डीएन शुक्ला ने बताया कि यमुना धीमी हुई है और गंगा बढ़ रही है। रविवार के बाद पानी कम होने की संभावना है। गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है। सिंचाई विभाग का बाढ़ खंड इसकी निगरानी कर रहा है। यहां खतरे का निशान 84.73 मीटर है। जिस गति से गंगा–यमुना का जलस्तर दो दिन में बढ़ा है, अगर वही गति कायम रही तो तटीय मोहल्लों के घरों में पानी भर जाएगा। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार रविवार को दोपहर 12 बजे की गई निगरानी के अनुसार फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में वृद्धि जारी है। यहां पर जलस्तर 83.88 मीटर पर बह रही हैं, जो खतरे के निशान से कुछ ही नीचे है। इसी तरह छतनाक में गंगा जलस्तर 83.09 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। इसी तरह नैनी में यमुना का चलस्तर 83.71 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। गंगा और यमुना करीब 10 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही हैं। खतरे का निशान 84. 734 मीटर है। बाढ़ नियंत्रण इकाई की बुलेटिन के अनुसार गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। बाढ़ का पानी लगातार बस्तियों में बढ़ता जा रहा है। इससे लोगों में खलबली मच गई है। रविवार दोपहर 12 बजे तक की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.88 मीटर, छतनाग में 83.09 पर है। बढ़ोत्तरी लगातार जारी है। गंगा करीब दस सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.71 मीटर रिकॉर्ड किया गया। चार घंटे में दस सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। रविवार शाम चार बजे तक की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.92 मीटर, छतनाग में 83.14 पर है। बढ़ोत्तरी लगातार जारी है। गंगा करीब दस सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.78 मीटर रिकॉर्ड किया गया। चार घंटे में दस सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है।

सोमवार को जारी बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83. 40 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.90 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। गंगा और यमुना खतरे के निशान के बिल्कुल करीब पहुंच गई हैं और कभी भी निशान को पार कर सकती हैं। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.41 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.91 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है।

मछली मारने गए लोगों की नाव पलटी, लापता 12 लोगों को एनडीआरएफ ने किया रेस्क्यू

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के धुरवा गांव में मंगलवार को सुबह मछली मारने गए लोगों की नाव गंगा की तेज धारा में पलट गई। तीन नाव पर कुल 12 लोग सवार थे। सभी को कुछ देर बाद सकुशल बाहर निकाल लिया गया। थरवई थाना क्षेत्र के धुरवा गांव में मंगलवार सुबह मछली मारने गए लोगों की नाव पलट गई। बहाव तेज होने के कारण इसमें 12 लोग फंस गए। यह सभी तीन नावों पर सवार होकर मछली मारने गए थे। सूचना पर पुलिस और एनडीआरएफ की टीम पहुंच गई। इसमें से नौ लोगों को घटना के कुछ देर बाद ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बहाव की चपेट में आए शेष तीन लोगों के घटनास्थल से करीब 500 मीटर आगे होने की सूचना प्राप्त हुई है। फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि वह सुरक्षित हैं लेकिन उनके पास वापस आने का कोई साधन नहीं है। थरवई एसीपी चंद्रपाल सिंह ने बताया कि उन्हें लाने के लिए एनडीआरएफ की एक टीम मौके पर भेजी गई है। हादसे में सभी लोग सुरक्षित हैं।

महापौर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में दवा छिड़काव का दिया निर्देश

प्रयागराज। महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में कीटनाशक का छिड़काव, फॉगिंग कराने का निर्देश दिया। बक्शी बांध स्थित सब्जी मंडी में स्वच्छता पखवाड़ा में भाग लेने के बाद महापौर दारागंज में बाढ़ का जायजा लेने गए। बक्शीबांध से बाढ़ देखने के बाद महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों को नियमित सफाई और दवाइयों का वितरित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जोनल अधिकारी संजय ममगई, क्षेत्र की पार्षद अनुपमा पांडेय, राजेश निषाद, विवेक अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

गजल संग्रह एहसास की खुशबू का हुआ विमोचन

प्रयागराज। साहित्यकार, शिक्षक एवं शायर डॉ. अजय मालवीय बहार इलाहाबादी के उर्दू गजल संग्रह एहसास की खुशबू का विमोचन दरगाह शाह अरजानी पटना में ईद मिलादुल नबी के मौके पर साहित्य अकादमी नई दिल्ली में उर्दू भाषा के संयोजक जनाब चंद्र भान ख्याल साहब ने किया। समारोह की अध्यक्षता जनाब सैय्यद मोहम्मद असद फरीदी ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. रेहान गनी और शायर जनाब खुर्शीद अकबर रहे। समारोह का आयोजन दरगाह शाह अरजानी पटना के सज्जादा नशीन प्रोफेसर सैय्यद हसीन अहमद ने किया। समारोह में डॉक्टर अजय मालवीय के गजल संग्रह एहसास की खुशबू पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि जनाब चंद्र भान ख्याल और जनाब खुर्शीद अकबर ने डॉक्टर अजय मालवीय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर हसीन अहमद ने कहा कि यह गजल संग्रह भारतीय समाज को एक नई दिशा एवं दशा प्रदान करेगी। सैय्यद मोहम्मद असद फरीदी ने कहा कि यह गजल संग्रह एहसास की खुशबू से हिंदुस्तान के मिट्टी की खुशबू और राष्ट्रीय एकता की झलक साफतौर पर दिखाई देती है। हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, बांग्ला, पंजाबी, फारसी एवं अरबी भाषा के जानकारी और उर्दू भाषा में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पीएचडी करने वाले डॉ. अजय मालवीय वर्तमान में एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज में वरिष्ठ उर्दू प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। इनकी अब तक हिंदी तथा उर्दू भाषा में इक्कीस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। डॉक्टर रेहान गनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लावारिस बुजुर्ग महिला ने तोड़ दिया दम

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में भर्ती लावारिस महिला की मंगलवार को सुबह अस्पताल में मौत हो गयी। उसका मेडिकल इमजरेंसी विभाग के बेड नंबर तीस पर इलाज चल रहा था। आकाशवाणी केंद्र के पास की रहने वाली महिला चलने में असमर्थ थी। शनिवार को उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने पर समाजसेविका निशा मिश्रा ने अस्पताल में भर्ती कराया था। परिवार के लोगों के रहते हुए भी घरवालों ने महिला को लावारिस घोषित कर दिया था। अस्पताल में तीन दिन तक जिंदगी मौत से जूझने के बाद उसकी सांसें थम गयी। निशा मानवीयता के आधार पर अपने खर्चे से महिला का इलाज करा रही थीं।

नौ साल के वैवाहिक जीवन में बिगड़े रिश्ते की वजह दहेज नहीं, दहेज उत्पीड़न का मुकदमा रद्द

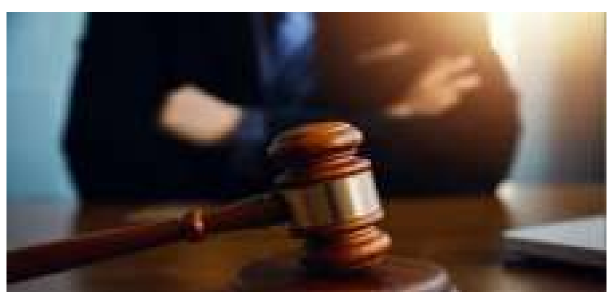

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सास–ससुर को विदेश यात्रा कराने वाले दामाद के खिलाफ दर्ज दहेज की मांग का मुकदमा सिरे से खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कल्पना की किसी भी सीमा तक विचार किया जाए तो भी यह मामला दहेज उत्पीड़न की मनगढ़ंत कहानी के अलावा कुछ नहीं है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की अदालत ने सुल्तानपुर निवासी नवीन कुमार वर्मा और उनके माता–पिता के खिलाफ दर्ज दहेज उत्पीड़न के मुकदमे को रद्द करते हुए की। ट्रायल कोर्ट ने आरोप पत्र का संज्ञान लेकर सभी को बतौर आरोपी तलब किया था। इसके खिलाफ आरोपी ससुरालीजनों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामला प्रयागराज जिले के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का है। नवीन और किरन की शादी 2007 में हुई थी। इसके बाद दोनों अमेरिका चले गए। वहीं उन्हें दो बच्चे भी हुए। 2014 में दोनों भारत आए और नोएडा में संयुक्त नाम से दो फ्लैट खरीद कर वहीं रहने लगे। नवीन के माता–पिता भी वहीं चले गए। इसी दौरान नवीन की पुरानी महिला मित्र से मोबाइल पर बातचीत शुरू हो गई। आपत्ति करने पर भी नवीन नहीं माना तो पत्नी दो बच्चों संग प्रयागराज स्थित मायके आ गई। 2017 में किरन ने पति नवीन, उनके पिता इंद्रदेव वर्मा, मां अनारकली व पति की महिला मित्र के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दिया। कहा कि पति दहेज में एसयूवी कार की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा जिला अदालत में भरण पोषण का मुकदमा भी दायर किया था। बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत नवीन अभी लखनऊ में तैनात हैं। याची के अधिवक्ता संजय कुमार दुबे ने दलील दी कि अमेरिका में रहने के दौरान नवीन ने खुद के खर्चे पर किरन के माता–पिता को अमेरिका की सैर कराई। जिला अदालत के आदेश पर पत्नी और बच्चों के भरण पोषण के मद में 50 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से अब तक करीब 45 लाख रुपये अदा किए जा चुके हैं। प्रथम दृष्टया विवाद महिला मित्र को लेकर उपजे संदेह का है। दहेज में एसयूवी की मांग का आरोप बेबुनियाद और कोरी कल्पना है। पत्नी के वकील ने कोर्ट में कहा कि यह सच है अमेरिका में दोनों करीब सात साल साथ रहे। उसके बाद भारत आ कर नोएडा में रहने लगे। इस दौरान कॉलेज के समय की महिला मित्र से पति की बातचीत शुरू हो गई। मना करने पर माने नहीं। महिला मित्र के उकसाने पर पति और उसके घर के लोग दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगे। कोर्ट ने माना कि अमेरिका में नौकरी करते हुए सास–ससुर को विदेश की सैर करने वाला दामाद नौ साल बाद दहेज की मांग नहीं कर सकता। मौजूदा कहानी को पचा पाना बेहद कठिन है। कहा, पति–पत्नी दोनों शिक्षित हैं। उनकी सामाजिक स्थिति बेहतर रही है। दो बच्चों के साथ नौ साल के विवाहित जीवन में बिगड़े रिश्ते का कोई अन्य कारण हो सकता है लेकिन दहेज की मांग नहीं हो सकती है। रही बात सास–ससुर की तो एफआईआर के तथ्यों से प्रतीत होता है कि अलग रह रही किरन सास–ससुर से केवल इस बात पर नाराज है कि महिला मित्र की शिकायत करने पर उन्होंने पति को कुछ कहने के बजाय उसे ही सॉरी बोलने को कहा था। लिहाजा, कोर्ट ने पति और उसके माता–पिता के खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द कर दिया।

मुंडन कराने संगम आए, कोई बच्ची को उठा ले गया: प्रयागराज में 2 साल की बच्ची का अपहरण, अंबेडकरनगर से आया था परिवार

प्रयागराज। प्रयागराज में अंबेडकर नगर से आए एक परिवार दो साल की बच्ची का मुंडन संगम पर कराने के लिए आए थे। रात में सोए कि भोर में मुंडन कराएंगे। रात के अंधेरे में किसी ने उनकी 2 साल की मासूम बच्ची को अगवा कर लिया। यह काम बच्चा चोरी करने वाले गिरोह का माना जा रहा है। पुलिस मामला दर्ज कर बैठ गई। परिवार के लोग अंबेडकर नगर से प्रयागराज का चक्कर काट रहे हैं। अंबेडकर नगर के थाना सम्मनपुर के सिकंदरपुर के रहने वाले शंकर कुमार अपनी पत्नी मनीता और दो साल की इकलौती बेटी सलोनी के साथ प्रयागराज आए। 9 सितंबर की रात वह संगम क्षेत्र में परेड पर पहुंच गए। सुबह सुबह मुंडन कराना था तो लोगों ने कहा परेड पर ही रुक जाओ। शंकर का कहना है कि रात करीब एक से दो के बीच किसी ने उनकी बेटी सलोनी को अगवा कर लिया। सुबह 4 बजे पत्नी–पत्नी की आंख खुली तो बच्ची को गायब देख उनके होश उड़ गए। घंटों तलाश के बाद वह लोग दारागंज थाने पहुंचे और बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद भी लगातार बच्ची को तलाश करते रहे लेकिन पता नहीं चला। परिवार का कहना है कि बच्चा चोरी करने वाला गिरोह सलोनी को उठा ले गया। पुलिस की जांच में भी अब तक कुछ साफ नहीं हुआ है। पति–पत्नी अंबेडकरनगर से प्रयागराज का चक्कर काट रहे हैं। दारागंज पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। कई जगह के सीसीटीवी फुटेज निकलवाए गए हैं। इससे पहले दारागंज में कच्ची सड़क से 9 साल की एक बच्ची को अगवा किया गया था। दारागंज में रहने वाले राजेश पटेल मूल रूप से जौनपुर के ऊंचगांव दद्वान गांव के रहने वाले हैं। उनकी नौ वर्षीय बेटी शिल्पा 23 जून की शाम खेलने निकली और लापता हो गई थी। दारागंज से लेकर शहर के अलग–अलग कोनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो सुराग मिला। नैनी रेलवे स्टेशन पर लगे कैमरे के सीसीटीवी फुटेज से एक शख्स बच्ची को ले जाता दिख गया। इसके बाद पुलिस ने कौशांबी के युवक को अरेस्ट कर बच्ची को बरामद किया था। वह बच्ची को बेचने की फिराक में था। हालांकि उस बच्ची अगवा करने वाले अभी जेल में हैं। संगम क्षेत्र के हनुमान मंदिर के पास से तीन वर्षीय बालिका का अपहरण हुआ था। दारागंज पुलिस ने तीन आरोपितों को नैनी इलाके से गिरफ्तार कर लिया। तीनों के कब्जे से अपहृत बालिका बरामद की गई है। राजस्थान के अलवर जिले के बीजवाद गांव के रहने वाले विक्की की तीन वर्षीय बेटी का हनुमान मंदिर के पास से अपहरण हुआ था। विक्की की पत्नी कल्पना ने दारागंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस टीम ने सड़कों के किनारे लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू किया। पता चला कि एक पुरुष और दो महिलाएं बालिका को लेकर नैनी की तरफ गए हैं। पुलिस टीम ने अमन मिश्रा उसकी पत्नी अंकिता और हेमा को गिरफ्तार किया।तीनों आगरा के फतेहाबाद के रहने वाले थे।

शिक्षक भर्ती के लिए धरना दे रहे छात्र की तबीयत बिगड़ी

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक भर्ती शुरू करने की मांग को लेकर पत्थर गिरजाघर स्थित धरनास्थल पर धरना दे रहे कौशांबी निवासी प्रतियोगी छात्र विनय सिंह की तबीयत सोमवार रात तकरीबन आठ बजे बिगड़ गई। उसके साथी एंबुलेस से लेकर स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद कमजोरी बताते हुए घर भेज दिया। देररात विनय के माता–पिता उसे लेकर घर चले गए। लगातार 12 दिन से धरने पर डटे रजत सिंह ने बताया कि धरनास्थल पर कोई व्यवस्था नहीं है। रात में मच्छर काटते रहते हैं। छह साल से भर्ती नहीं निकलने के कारण डीएलएड बेरोजगार दर–दर भटकने के मजबूर हैं।

मंदिर परिसर में फिसलकर गिरने से श्रद्धालु घायल

प्रयागराज के डांडी निवासी 65 वर्षीय जगदीश केसरवानी सोमवार को परिवार के साथ दर्शन–पूजन करने शक्तिपीठ कड़ा धाम आए थे। पूजा के बाद सभी लोग मंदिर परिसर में परिक्रमा कर रहे थे। इसी दौरान परिसर की फर्स पर पानी पड़ा होने के कारण जगदीश फिसलकर गिर गए। हादसे में उनका बायां कूल्हा टूट गया। परिजन उन्हें इलाज के लिए प्रयागराज लेकर चले गए हैं।

गिट्टी कारोबारी के 4.40 लाख ठेकेदार ने हड़पे: प्रयागराज में धमकाते हुए कहा- रुपए मांगने आए, तो जान से मार देंगे

प्रयागराज। प्रयागराज में एक गिट्टी कारोबारी ने शाहगंज थाने में ठेकेदार और उसके पिता के खिलाफ केस दर्ज कराया है। कारोबारी का कहना है कि गिट्टी मंगवाने के बाद भी उसके 4.40

लाख रुपए नहीं दिए गए। गिट्टी कारोबारी ने ठेकेदार से रकम वापस मांगी तो उसने जान से मारने की धमकी दी। शाहगंज पुलिस ने फैजल व उसके पिता आबदी नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यमुनापार के मेजा रोड के रहने वाले रंगबहादुर यादव गिट्टी कारोबारी हैं। रंगबहादुर ने शाहगंज पुलिस को तहरीर दी है कि तीन साल पहले शाहगंज के रहने वाले फैजल ने गिट्टी लिया था। उसके बताई गई जगह– फूलपुर गिरोखड़ा में 13.60 लाख रुपए की गिट्टी गिरा दी गई। ठेकेदार ने 9.20 लाख रुपए का भुगतान कर दिया। 4.40 लाख रुपए बकाया रहे। तब कहा गया कि गिट्टी बिछने के बाद रकम भुगतान की जाएगी। कारोबारी का आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बाद भी रुपए नहीं दिए गए। रंगबहादुर का आरोप है कि बकाया भुगतान मांगने के लिए पहुंचे तो पिता–पुत्र ने जान से मारने की धमकी दी। कहा भाग जाओ यह मुस्लिम इलाका है। दोबारा आए तो बचकर नहीं जा पाओगे। जान से मार देंगे। शाहगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महिला से डेढ़ लाख रुपये की साइबर ठगी

प्रयागराज। साइबर ठग नए–नए तरीके अपनाकर लोगों को शिकार बना रहे हैं। शहर के छोटा बघाड़ा की एक महिला साइबर

ठगों का शिकार बन गई। साइबर ठगों के फर्जी वेबसाइट पर निवेश के नाम पर डेढ़ लाख रुपये का चूना लग गया। पीड़िता ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार कर्नलगंज थाना क्षेत्र के छोटा बघाड़ा निवासी राकेशचंद्र की पत्नी सुषमा को अपने बेटे से एक वेबसाइट की जानकारी मिली। इसके बाद दो बार में वेबसाइट के बताए गए अकांउट पर एक लाख 45 हजार 350 रुपये का भुगतान कर दिया। इसके एवज में दो बार में 145 व 350 रुपये मिले। हालांकि इसके बाद कोई भुगतान नहीं मिला। वेबसाइट की जांच करने पर ठगी होने का पता चला। साइबर थाने में पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जयंती पर पूजे गए देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा

प्रयागराज। वास्तुकला के देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स संघ की ओर से अलोपीबाग स्थित पांटून कार्यशाला में मुख्य अभियंता एके द्विवेदी की अगुवाई में विधि विधान से भगवान विश्वकर्मा का पूजन अर्चन किया गया। साथ ही उनसे महाकुम्भ के लिए तैयार किए जा रहे पांटून पुलों को सुरक्षित रखने की कामना की गई। जयंती पर कल कारखानों से लेकर अल्लापुर, कटरा, दारागंज, सिविल लाइंस सहित गली–मोहल्लों में गैराज में भगवान के चित्रों को सामने रखकर उनका पूजन हुआ। कई जगहों पर लोगों को प्रसाद वितरित किया गया।

आउटरीच गतिविधियों के लिए दो कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आउटरीच गतिविधियों के लिए कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के निर्देश पर दो कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति कर दी गई है। डिपार्टमेंट ऑफ फैमिली एंड कम्युनिटी साइंस की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फरीदा अहमद और डॉ. प्रिया केशरी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डेंगू की मार से प्लेटलेट्स बढ़ाने वाले फलों की बढ़ी मांग

प्रयागराज। डेंगू के बढ़ते प्रकोप की वजह से बाजार में प्लेटलेट्स बढ़ाने वाले फलों की मांग बढ़ गयी है। शहर में जगह–जगह फलों की दुकानों पर ड्रैगन फ्रूट, कीवी, नारियल पानी व पपीता का लोग खरीदारी कर रहे हैं। फल विक्रेताओं के अनुसार मांग बढ़ने के साथ दाम में वृद्धि हो गयी है। हालांकि थोक मंडी में फलों की आवक अभी कम हो रही है। गवर्नमेंट प्रेस के पास फलों की दुकान लगाने वाले राजू सोनकर ने बताया कि इन दिनों लोग ड्रैगन फ्रूट और कीवी जैसे फलों को खरीदने में अधिक दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ड्रैगन फ्रूट इस 140 से 160 रुपये प्रति पीस है, जबकि कीवी का दाम 60 से 70 रुपये प्रति पीस है। वहीं पानी वाला एक नारियल 80 से 90 रुपये में बिक रहा है।

दशलक्षण पर्व के अंतिम दिन जैन मंदिरों में उमड़ी भीड़

प्रयागराज। जैन धर्म के मुख्य दशलक्षण पर्व के अंतिम दिन मंदिरों में समाज के लोगों की भीड़ रही। पर्व के समापन पर कर्नलगंज स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सुबह से ही शांति धारा व अभिषेक करने वालों का तांता लगा रहा। पुजारी महेंद्र जैन ने समाज के लोगों को उत्तम ब्रह्मचर्य के रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाया और इस धर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला। जीरो रोड स्थित जैन मंदिर में सुनील जैन की अगुवाई में भगवान का अभिषेक किया गया। कहा कि पर्व का मुख्य उद्देश्य आत्मा को शुद्ध करके आवश्यक विधाओं पर ध्यान केंद्रित करना है। जैन महिला मंडल की सदस्यों ने मंदिर परिसर में घी का दीपक जलाया और भजनों की प्रस्तुति की।

लोकपाल मनरेगा ने की जन सुनवाई व जन संवाद

समय से जांच आख्या न आने पर खंड विकास अधिकारियों से वार्ता कर दिया आवश्यक निर्देश

मनरेगाकर्मी भ्रष्टाचार से रहे दूर वर्ना होगी कार्यवाही – लोकपाल समाज शेखर

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा के जन सुनवाई और संवाद कार्यक्रम में मनरेगा सबन्धी शिकायते व सुझाव निरंतर हो रही बरसात के बावजूद प्राप्त किया गया। वहीं पूर्व शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा भी लोकपाल समाज शेखर ने संबंधित खंड विकास अधिकारियों व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों से वार्ता कर की। लोकपाल ने मनरेगा कर्मियों को भ्रष्टाचार से दूर रहने की हिदायत दी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री राजेश मिश्र ने लोकपाल से मुलाकात कर मनरेगा योजना में मजदूरों को समय से भुगतान होने तथा वास्तविक मजदूरों व गरीब व जरूरत मंद को कार्य व योजना का लाभ अवश्य मिले। साथ ही मनरेगा के द्वारा स्वावलंबन व आर्थिक विकास के सामूहिक कार्यक्रम चलाकर जन सामान्य को लाभांवित करने की मांग की। जांबाज हिंदुस्तानी सेवा समिति के अध्यक्ष आलोक आजाद ने लोकपाल से मुलाकात कर मांधाता ब्लाक के खरवई ग्राम में स्थित अति प्राचीन तालाब चनौरा के पुनरोद्धार की मांग की। उन्होंने कहा की यह तालाब प्राचीन समय से आस्था व विश्वास के साथ साथ मीठे पेयजल का श्रोत रहा है। देख रेख के अभाव में उक्त तालाब अपना अस्तित्व खो रहा है। जिस पर लोकपाल ने जिलाधिकारी व सीडीओ के संज्ञान में लाकर समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। लोकपाल समाज शेखर ने खंड विकास अधिकारी लालगंज से कोटवा शुकुलपुर के तालाब की अपेक्षित रिपोर्ट २ दिन में अनिवार्य रूप से प्रेषित करने का निर्देश दिया। वहीं खंड विकास अधिकारी कालाकाकर से मधवापुर की रिपोर्ट समय से न आने पर नाराजगी जताई। कहा की आज तक रिपोर्ट न आने की दसा में लोकपाल स्वयम निरीक्षण हेतु 19 सितंबर को ब्लाक मुख्यालय व सम्बन्धित ग्राम का स्थलीय भ्रमण करके निरीक्षण करेंगे। बी डी ओ मंधाता श्रुति शर्मा ने अवगत कराया की भगवानपुर, पूरे लाल तथा पूर्व से अपेक्षित जांच आख्या २ दिन के भीतर लोकपाल कार्यालय को प्रेषित होगी। बिहार बी डी ओ को फूलपुर मौरी व तृलोकपुर की रिपोर्ट समय से न भेजने पर संबंधित बी डी ओ व एपीओ को शुक्रवार 20 सितंबर को उपस्थित होकर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं कुंडा के नौबस्ता ग्राम की आख्या न आने पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को अबिलम्ब जांच कर आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में कविता गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज ससी एम पी डिग्री कॉलेज के प्यारे लाल ऑडीटोरियम में हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में राजभाषा पखवाड़ा आयोजन की श्रृंखला में आंतरिक शिकायत समिति और हिंदी विभाग के संयुक्त उपक्रम में कविता गोष्ठी का आयोजन किया गया । इस काव्य गोष्ठी में आमंत्रित कवि के रूप में वरिष्ठ कवयित्री शुभा , रुपम मिश्र, अनुपम सिंह, कविता कादम्बरी,पूजा कुमारी मौजूद थी। आधी आबादी के सच और उनकी अभिव्यक्ति को आधार बना कर इस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया था ।

इस कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने अपना स्वागत वक्तव्य दिया और कहा कि कविता लिखने पढ़ने और गुनने के काम आती है । अपने छात्र जीवन के अनुभवों को सुनाते हुए उन्होंने कहा कि कविता ने पढ़ने और समझने की तमीज दी है । आमंत्रित कवियों का स्वागत एवं परिचय विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका प्रो सरोज सिंह ने दिया ।

प्रो सरोज सिंह का कहना था कि अभिव्यक्ति के मायने और स्त्री की कविता दोनों को देखना आज के इस कठिन समय में बहुत दिलचस्प होगा । कार्यक्रम की शुरुआत में कवयित्री पूजा कुमारी ने अपनी कविताओं के माध्यम से समाज शिक्षा और स्त्री की स्थिति की गहरी पड़ताल की । स्त्रियों को सचेत करते हुए पूजा कुमारी ने मुर्दहिया के लेखक तुलसीराम का जिक्र करते हुए एक कविता पढ़ी। रुपम मिश्र ने प्रेम कविताओं के माध्यम से स्त्री और समाज की अंतरंगता को स्पष्ट किया ।

अनुपम सिंह ने बंद आंखों से झांकती लड़की, एक औरत का अंत, मैने गढ़ा है अपना पुरुष जैसी कविताओं के माध्यम से अपनी बात कही । वरिष्ठ कवयित्री शुभा ने औरत की जरूरत कविता के माध्यम से औरत के ऊपर समाजिक बंदिशों को तोड़ने की बात कही । मुझे राज्य का संरक्षण भी नही चाहिए ..मुझे चाहिए एक संगठन , कठोर रास्ता ...कविता पर दर्शकों ने खूब वाहवाह किया । इस कार्यक्रम का संचालन डा. प्रियंका गौड़ ने किया । हिंदी विभाग के संयोजक प्रो दीनानाथ ने आए हुए अथितियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया । इस कार्यक्रम में प्रो.अर्चना खरे, प्रो प्रणय कृष्ण, प्रो अर्चना त्रिपाठी, प्रो भूपेश त्रिपाठी,डॉ सत्येंद्र, डॉ.सपना मौर्य, डॉ. रविन्द्र, डॉ. संगीता, डॉ पूजा गौड़, डॉ भारती कोरी, डॉ. प्रेमशंकर सिंह, डॉ. रंजीत सिंह, डॉ रामानुज यादव के अलावा शोधार्थी और छात्र छात्राएं मौजूद थे।

गोरखपुर ईकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

गोरखपुर . । शहर समता विचार मंच गोरखपुर ईकाई की महिला काव्य गोष्ठी सरिता सिंह एवं उमा उपाध्याय के संयोजन मे चित्रा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि विभा श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि उमेश श्रीवास्तव रहे । यह काव्य गोष्ठी 4 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही चित्रा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सलोनी त्रिपाठी द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन अनामिका शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में समस्त प्रतिभागी साहित्य अनुरागिनियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें । जिसमें सरिता सिंह – कोई मुझसे पूछे ,चित्रा श्रीवास्तव–हिन्दी है जन जन की,उमा उपाध्याय– मैं हिन्दी हूँ ,रेनू चतुर्वेदी – कहानी हिन्दी की ,बृजकिशोरी त्रिपाठी–हिन्दी एक महान भाषा ,पूजा श्रीवास्तव– माथे की चंदन रोली ,अनामिका शर्माश्अनुश – अपनी हिन्दी महान ,सलोनी त्रिपाठी–टूटकर बिखरी हुई मैं , प्रेम लता रसबिंदु – हमारी भाषा हिन्दी है और ममता परिहार ने मान है हिन्दी पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन चित्रा श्रीवास्तव ने किया।

भगवान विश्वकर्मा पूजन एवं विशेष सम्मेलन की घोषणा

लखनऊ, एजेंसी। आज भगवान विश्वकर्मा की पूजा के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय बढई महासभा के राष्ट्रीय कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विश्राम शर्मा की अध्यक्षता में विधिवत पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्राम शर्मा ने कहा कि बढई समाज, जो लगभग तीन प्रतिशत की आबादी रखता है, आजादी के बाद से ही राजनीतिक पार्टियों द्वारा केवल वोट बैंक के रूप में उपयोग किया गया है और इसे सत्ता से दूर रखा गया है। जबकि इस समाज का सृजनात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, फिर भी इसकी राजनीतिक भागीदारी न के बराबर रही है। उन्होंने कहा कि इस समाज ने पारंपरिक महत्व से लेकर आधुनिक युग के निर्माण तक में बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन राजनीतिक उपेक्षा के कारण यह समाज आज हासिये पर खड़ा है। प्रधानमंत्री का नारा सबका साथ, सबका विकास इस समाज पर लागू नहीं हुआ है। जब तक यह समाज मुख्यधारा में शामिल नहीं होता, तब तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना अधूरा रहेगा।

उत्तर मध्य रेलवे

गैर हाजिरी सूचना

श्री अमित कुमार द्विवेदी पुत्र श्री राज नारायण TM-III/MJHR शंकरगढ़ जोकि दिनांक 06.06.2023 से आज दिनांक तक अनुपस्थित है, जिसके सापेक्ष में कर्मचारी को मानक फार्म सं०-5 दिनांक - 04.04.2024 को जारी किया गया एवं जांच हेतु वरि० खण्ड अभि० / रेल पथ / से० / नैनी - II श्री पिन्टू कुमार को जांच अधिकारी नामित किया गया था, प्रेषित जांच रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि आप जांच कार्यवाही में ना ही सम्मिलित हुए और ना ही किसी सूचना से सम्बन्धित कार्यालय को अवगत कराया।

अतः आपको एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया जा रहा कि आप इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें एवं स्पष्टीकरण दें अन्यथा रेल प्रशासन द्वारा एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए सेवा समाप्ति / बरखास्तगी की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

कर्मचारी का पता :-
श्री अमित कुमार द्विवेदी पुत्र श्री राज नारायण द्विवेदी
TM-III/MJHR (Under-SSE/P.WAY/SRJ)
पता :- ग्राम - चन्नाद पो0 - मुरका,
तहसील- मउ, जनपद- चित्रकूट,
उत्तर प्रदेश पिन - 210208

हस्ताक्षर -
नाम- शिवांशु कुमार
पदनाम- सहा0 मण्डल अभि0/नैनी।
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
(अनुशासनिक प्राधिकारी का नाम)

1640/24 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

गजल संग्रह एहसास की खुशबू का विमोचन किया गया

प्रयागराज। उर्दू हिन्दी भाषा के उत्तर आधुनिकता काल के प्रख्यात साहित्यकार, आलोचक, शोधकर्ता,अनुवादक, विचारक, भाषा वैज्ञानिक एवम शायर डॉ अजय मालवीय बहार इलाहाबादी के उर्दू गजल संग्रह एहसास की खुशबू का विमोचन दरगाह शाह अरजानी पटना में ईद मिलादुल नबी के मौके पर साहित्य अकादमी नई दिल्ली में उर्दू भाषा के संयोजक जनाब चंद्र भान ख्याल साहब ने किया। इस समारोह की अध्यक्षता कधौमी तंजीम उर्दू अखबार के सम्पादक जनाब सैय्यद मोहम्मद असद फरीदी ने किया। इसमें विशिष्ट अतिथि तसदीक अखघ्बार के सम्पादक डॉक्टर रेहान गनी और सुविख्यात उर्दू शायर जनाब खुर्शीद अकबर रहे। इस विमोचन समारोह का आयोजन दरगाह शाह अरजानी पटना के सज्जादा नशीन प्रोफेसर सैय्यद हसीन अहमद ने किया। इस विमोचन समारोह में डॉक्टर अजय मालवीय के गजल संग्रह एहसास की खुशबू पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि जनाब चंद्र भान ख्याल ने डॉक्टर अजय मालवीय के व्यक्तित्व एवम कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर हसीन अहमद ने कहा कि यह गजल संग्रह भारतीय समाज को एक नई दिशा एवम दशा प्रदान करेगी। सैय्यद मोहम्मद असद फरीदी ने कहा कि यह गजल संग्रह एहसास की खुशबू से हिंदुस्तान के मिट्टी की खुशबू और राष्ट्रीय एकता की झलक साफतौर पर दिखाई देती है। प्रख्यात साहित्यकार और शायर जनाब खुर्शीद अकबर ने डॉक्टर अजय मालवीय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनको हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, बांग्ला, पंजाबी, फारसी एवम् अरबी भाषा का ज्ञान है। इन्होंने उर्दू भाषा में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पी एच डी की डिग्री प्राप्त की है। वर्तमान में वरिष्ठ उर्दू प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं और अध्यापन का कार्य कर रहे हैं।।

इनकी अब तक हिंदी तथा उर्दू भाषा में इक्कीस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उर्दू भाषा में इनकी प्रमुख पुस्तकों में उर्दू में हिन्दू धर्म, उर्दू सीखें, श्रीमद् भगवत गीता, वैदिक अदब और उर्दू, प्रेम चंद स्वानेह ब तस्वीर, है राम के वजूद पे हिंदुस्तां को नाज, नई फिक्रियाती जिहात, नंद किशोर विक्रम शख्सियत और फिक्रो फन, जदीदियत के अलंबरदार शमसुर रहमान फारुकी, तखलिकात १, तखलिकात २, एहसास की खुशबू और गुबार ए फिक्र प्रकशित हो चुकी हैं। हिन्दी में सीताराम, उर्दू में रामकथा और जर्द मौसम का सफर प्रकशित हो चुकी हैं। लगभग डेढ़ सौ शोधपत्र एवम गजलें विश्व की पत्र एवम पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं तथा दो दर्जन से अधिक सेमिनारों में अपना शोधपत्र एवम व्याख्यान प्रस्तुत कर चुके हैं। उर्दू अखघ्बार तसदीक के सम्पादक डॉक्टर रेहान गनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाद्रपद माह के दसलक्षण पर्व के दसवां दिन – उत्तम ब्रह्मचर्य

ब्रह्म– आत्मा, चर्य – चरना, रमना, लीन होना

प्रयागराज। समस्त विषयों में अनुराग छोड़कर ब्रह्म जो स्वभाव आत्मा उसमें चर्या अर्थात प्रवृत्ति करना वह ब्रह्मचर्य हैं। ब्रह्मचर्य बिना व्रत दृ तप समस्त निस्सार है।

संसार में समस्त वासनाओं में तीव्र और दुर्द्वर्ष कामवासना है। इसी कारण अन्य इन्द्रियों का दमन करना तो बहुत सरल है किन्तु कामवासना की साधन भूत काम इन्द्रिय का वश में करना बहुत कठिन है।

अतः हमे अपनी स्त्री – पुरुष के अलावा सब को माता बहन के रूप में देखना चाहिए।

अनंत चतुर्दशी के दिन श्री 1008 वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याण पर भगवान का अखिल जैन, प्रमेश जैन, मुदित जैन, रविन्द्र जैन, अमर चांद जैन, अखिलेश चांद जैन, मनीष जैन आदि लोगो को अभिषेक शांति धारा करने का सौभाग्य मिला।

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कर्नलगंज में 18 सितंबर को 108 कलशो से श्री 1008 महावीर भगवान का महामस्तिका अभिषेक होना है जिसमे नगर वा आस पास के सभी श्रद्धालु जन आयेंगे। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश मयंक जैन उपस्थित रहेंगेस

सनातन महासभा की गोमती महाआरती व सनातन समागम का आयोजन

वरिष्ठ शिक्षकों व कामगारों को मिला सनातन शिरोमणि व गौरव सम्मान

लखनऊ, एजेंसी। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित भाद्रपद पूर्णिमा पर आयोजित सनातन महासमागम एवं 129वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती का आयोजन मंगलवार को किया गया। मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ 07 भव्य मंचो से पूज्य स्वामी आनंद नारायण जी, स्वामी हरेंद्र नाथ, आईपीएस अखिलेश निगम व देवेंद्र शुक्ल के सानिध्य में हुई। महाआरती में मृदंग, मंजीरा, ढोल, तासे, शंख की ध्वनि से पूरा प्रांगण गुंजायमान रहा। अध्यक्ष डॉ. प्रवीण ने बताया कि महाआरती के पूर्व कार्यक्रम का आरंभ सुमित सिंह के कथक व मोनिका अग्रवाल के गणेश वंदना और समापन पूनम विष्ट के कथक नृत्य से हुआ। इसके बाद श्रीराधा कृष्ण के रूप में रासलीला का आयोजन दीपक कुमार के नेतृत्व में हुआ।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 का हुआ आयोजन

प्रयागराज सराष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाए जा रहे "स्वच्छता ही सेवा अभियान–2024"के पहले दिन आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन विभाग की प्रो. तनवीर जे. सिद्दीकी जी ने कहा कि हमारा स्वभाव

और संस्कार स्वच्छता का होना चाहिए। गंदगी को दूर करके देश की सेवा करना हमारा कर्तव्य है और इसके लिए जरूरी है कि हम स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहते हुए दूसरों को भी सजग बनायें। इस अवसर पर बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रो. प्रतिमा जी ने कहा कि हमें इस अभियान की सार्थकता के लिए श्रमदान का भी संकल्प लेना चाहिए। गाँव–गाँव, गली–गली इस अभियान का विस्तार करना चाहिए। स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया हमारा एक कदम पूरे देश को स्वच्छ बनाने में हमारी मदद करेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि हम न तो गंदगी करें और न किसी को करने दें। ऐसा जागरूकता भाव हमें अपने अंदर पैदा करना होगा। अपने परिवार, मुहल्ले, गाँव और कार्यस्थल से इसकी शुरुआत करनी होगी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पिंकी सैनी, डॉ. अवनीश चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।

विधायक आवास में युवक की लाश मिली, पीट–पीट कर की गई हत्या

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की राजधानी लखनऊ में विधायक आवास परिसर में युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। शव देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि किसी ने पीट–पीट कर बूरी तरह से हत्या की है। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस के सीनियर अफसर मौके पर पहुंच गए। घटना मंगलवार की सुबह हुसैनगंज स्थित विधायक आवास (ओसीआर) बिल्डिंग परिसर की है। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। शव विधायक परिसर में आवास में जाने वाली सीढ़ी के पास मिला है। मृतक की उम्र 25 से 30 साल के बीच बताई जा रही है। बरमूडा और टी–शर्ट पहने हुए था। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 5.30 बजे विधायक आवास कैंपस में लाश मिलने की सूचना मिली। पुलिस तुरंत उसे अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, इस घटना को लेकर डीसीपी रवीना त्यागी ने बताया है कि मृतक के हाथ, कलाई, कोहनी और कंधे पर चोट के निशान मिले हैं। हादसा और हत्या सभी एंगल पर जांच की जा रही है। युवक के पास से कोई पहचान पत्र, मोबाइल नहीं मिला है। आसपास के एरिया में सर्चिंग की जा रही है।इसके साथ ही पुलिस ने यह भी बताया कि शुरुआती जांच में विधायक आवास पर लगे सीसीटीवी में वह रात 11 बजे कैंपस में आता हुआ नजर आ रहा है, लेकिन वह अंदर कहां गया? यह अभी क्लियर नहीं हो पाया है। इसकी जांच की जा रही है।

एसजीपीजीआई में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने शुरू किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। एसजीपीजीआई में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने मंगलवार सुबह से प्रदर्शन शुरू कर दिया है। प्रशासनिक भवन पर जुटे सैकड़ो कर्मचारी मानदेय रोके जाने से नाराज हैं। बताया जा रहा है कि करीब 4 साल में पहली बार आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाए जाने का आदेश हुआ था, लेकिन उसके बाद रोक दिया गया। करीब डेढ़ हजार आउटसोर्सिंग कर्मी संस्थान प्रशासन के इस भेदभावपूर्ण रवैया से आहत हैं। प्रदर्शन से पहले आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने एसजीपीजीआई के निदेशक को पत्र लिखकर कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी थी।

गणेश वंदना

एक दंत, वक्र तुंड, बुद्धि शुद्धि वर्धन ,
श्री गणेश, जय गणेश, आओ दुख भंजन ।

श्री गणेश, जय गणेश, मंगल सुखकारी,
श्री गणेश, शुभ गणेश, रिद्धि सिद्धि धारी।
श्री गणेश, भज गणेश, मूषक मनुहारी,
पान फूल मोदक भर, लडुअन की थारी।
घर मेरे पधारो प्रभु, गौरी सुख नंदन,
हाथ जोड़ विनती करें भक्त सब बंदन।

श्री गणेश, जय गणेश, आओ दुख भंजन,
आओ दुख भंजन ,अब आओ दुख भंजन।

ढोल ताल बाज रहे, आंगन में मेला,
गणपति मुस्काय मधुर, खेल रहे खेला।
माथे सिंदूर, गले अड़हुल की माला ,
मोदक का भोग करें ,शंभू सुत लाला।
आरती सजाय श्सुमनश, भाव करे अर्चन,
श्रद्धा के अर्पन से, महके मन चंदन ।

श्री गणेश ,जय गणेश, आओ दुख भंजन
आओ दुख भंजन, अब आओ दुख भंजन।

संगीता श्रीवास्तव 'सुमन'
महेंद्र नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, प्रयागराज
संपर्क –9575065333

सम्पादकीय.......

रक्षक बने भक्षक

निश्चित रूप से नशीली दवाओं के खतरों के खिलाफ पंजाब पुलिस एक मुश्किल लड़ाई लड़ रही है। पंजाब पुलिस को उस समय शर्मिंदगी उठानी पड़ी जब एक ड्रग इंस्पेक्टर को कथित तौर पर मादक पदार्थों के तस्करों से मिलीभगत के आरोप में गिरफ्तार किया गया। हकीकत में नशे के खिलाफ जारी मुहिम ऐसी विभागीय काली भेड़ों की वजह से कमजोर ही होती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अवैध ड्रग धंधे के संचालन में मदद करने के लिये इस ड्रग इंस्पेक्टर की गहरी भूमिका का खुलासा किया है। इतना ही नहीं, नशे के काले कारोबार से हासिल सात करोड़ से अधिक की राशि का पता आरोपी के बैंक खातों से चला है। कैसी विडंबना है कि जिस व्यक्ति की नियुक्ति नशे पर नियंत्रण में मदद करने के लिये हुई है, वही जिम्मेदार व्यक्ति विश्वासघात करके पहले से कमजोर नशीले पदार्थ नियंत्रक तंत्र को कमजोर करने का काम करता रहा है। वैसे विगत में भी ऐसे कई मामले उजागर हुए हैं कि पुलिस महकमे के लोग नशा तस्करों की राह आसान करते रहे हैं। यही वजह है कि वर्ष 2017 में अदालत में दायर एक जनहित याचिका पर कार्रवाई करते हुए पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की कथित रूप से नशीली दवाओं के तस्करों से मिलीभगत के आरोपों की जांच के लिये एक विशेष जांच दल का गठन किया था। पिछले साल अप्रैल में सार्वजनिक किए गए एसआईटी के निष्कर्षों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। उल्लेखनीय है कि इस जांच में खुलासा हुआ था कि एक पुलिस इंस्पेक्टर ने मोगा में तैनात एक एसएसपी के साथ मिलकर बीएसएफ कर्मियों की मदद से पाक से ड्रग्स की तस्करी की थी। इतना ही नहीं, आरोप लगा कि पुलिस इंस्पेक्टर ने लोगों पर नशीले पदार्थ बेचने के झूठे आरोप लगा पैसे की उगाही भी की थी। विडंबना देखिए कि इन तमाम आरोपों के बावजूद उसकी दोहरी विभागीय प्रोन्नति की गई थी। निश्चय ही रक्षक जब भक्षक बनने लगें तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। जिससे समाज की रक्षा के लिये बनी संस्थाओं से लोगों का विश्वास उठने लगता है। दरअसल, नौकरशाही की अक्षमता और व्यवस्थागत खामियां ऐसे विभागीय अपराधियों के निरंकुश खेल को आसान बना देती हैं। लंबे समय से ड्रग्स इंस्पेक्टर का स्वच्छंद रूप से काले धंधे में लिप्त रहना और जांच देर से होना एक मजबूत निवारक तंत्र की जरूरत को बताता है। इक्का–दुक्का लोगों की गिरफ्तारी के इतर बड़े संरचनात्मक सुधारों की जरूरत होगी। इसमें संदिग्ध अधिकारियों की समय रहते जांच, विशेष एनडीपीएस अदालतों के गठन, जेल की निगरानी में सतर्कता–सजगता और स्वतंत्र एजेंसियों के साथ समन्वय भी शामिल है। आंतरिक भ्रष्टाचार और जमीनी स्तर पर नशीली दवाओं के कारोबार को रोकने के लिये व्हिसलब्लोअरों को संरक्षण देने व समुदाय स्तरीय पुलिसिंग को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। निश्चित रूप से व्यवस्थागत बदलावों के बिना नशीली दवाओं के खिलाफ राज्य की लड़ाई मुश्किल होगी और इस दिशा में पर्याप्त सफलता नहीं मिल पाएगी।

केजरीवाल के इस्तीफे के निहितार्थ

एजेंसी

रविवार को पार्टी सहयोगियों के साथ आयोजित एक बैठक में इस्तीफे के फैसले साथ ही उन्होंने बतलाया कि अगला मुख्यमंत्री उनके इस्तीफा देने के दो–तीन दिनों के बाद चुन लिया जायेगा।

कथित शराब घोटाले के आरोप में 177 दिनों तक तिहाड़ जेल में रहने के बाद 13 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को जमानत मिली। रविवार को श्री केजरीवाल ने अगले दो दिनों के भीतर अपने पद से त्यागपत्र देने का ऐलान कर दिया है। यह स्पष्ट करते हुए कि उनके साथी मनीष सिसोदिया भी इस पद पर नहीं बैठेंगे जो इसी आरोप में जेल में ही लम्बा समय बिताकर जमानत पर छूटे हैं। रविवार को पार्टी सहयोगियों के साथ आयोजित एक बैठक में इस्तीफे के फैसले साथ ही उन्होंने बतलाया कि अगला मुख्यमंत्री उनके इस्तीफा देने के दो–तीन दिनों के बाद चुन लिया जायेगा। उन्होंने सरकार से यह मांग की कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी महाराष्ट्र के साथ नवम्बर में करा लिये जायें जो कि वैसे अगले साल की फरवरी में किये जाने की सम्भावना है। यह अलग बात है कि केन्द्रीय चुनाव आयोग आप की इस मांग को शायद ही माने। संभावना है कि भारतीय जनता पार्टी की सुविधा के अनुसार ही दिल्ली के चुनाव होंगे। माना यह जा रहा है कि केजरीवाल ने इसलिये इस्तीफा दिया क्योंकि काम–काज के लिये कोई गुंजाइश ही नहीं रह गयी है। न तो वे सचिवालय जा सकते हैं और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए इतनी तरह की शर्तें लगा दी हैं कि वे शायद ही कोई काम कर सकें। दिल्ली चुनाव के पहले सरकार को अनेक तरह के काम पूरे करने हैं। जरूरी है कि ऐसा मुख्यमंत्री हो जिसके पास तमाम अधिकार हों। अरविंद केजरीवाल के इस फैसले के तुरंत बाद भाजपा ने उन पर हमला बोलना शुरु कर दिया है। कोई सवाल उठा रहा है कि पहले इस्तीफा क्यों नहीं दिया, तो कोई आरोप लगा रहा है कि यह अपने जुर्म को स्वीकार करने जैसा है। भाजपा की तरफ से एक नेता ने ये दावा तक किया कि अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बना कर अपनी मर्जी का शासन चला सकते हैं। हालांकि अभी किसी को नहीं पता कि दो दिन बाद मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर किसे सामने किया जाएगा। जहां तक भाजपा के हमलों का सवाल है, तो यह जाहिर हो गया है कि भाजपा अरविंद केजरीवाल के इस कदम का अनुमान लगा ही नहीं पाई थी। उसके लिए यह अप्रत्याशित फैसला था और वह इसके लिए तैयार नहीं थी। बहरहाल, यह फैसला ऐसे वक्त पर लिया गया है जब हरियाणा के चुनाव अक्टूबर के पहले हफ्ते में होने जा रहे हैं जिसमें लगभग सभी 90 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है। वैसे राहुल गांधी ने बड़ी कोशिश की थी कि हरियाणा में कांग्रेस और आप मिलकर चुनाव लडें। इसे लेकर कांग्रेस और आप में प्रारंभिक चर्चा भी हुई, लेकिन आप ने स्वतंत्र रूप से लड़ना मुनासिब समझा। यह लगभग वैसा ही है जैसा लोकसभा चुनाव आप ने दिल्ली में कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा लेकिन पंजाब में दोनों दल आमने–सामने थे। हालांकि आप और कांग्रेस के अलग–अलग लड़ने से लाभ मिलने की गुंजाइश भाजपा के लिए बढ़ जाती है, इस तथ्य पर आप नेता विचार करेंगे ही। इंडिया गठबन्धन का हिस्सा बने रहने का दावा आप करती है और कई मौकों पर कांग्रेस ने उसे मदद भी की। हरियाणा के चुनावों में भी वह अपने नेताओं की टिकटें काटकर आप को सम्मानजनक संख्या में सीटें देने वाली थी। इसके पहले कि सीटों का बंटवारा हो, आप ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए। जिससे जनता के बीच सही संदेश नहीं गया। मुमकिन है चुनाव बाद आप और कांग्रेस एक साथ हो जाएं, ताकि किसी भी तरह भाजपा को सत्ता में आने से रोकें। पिछले चुनावों में भी भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था, लेकिन जजपा के सहयोग से उसने सरकार बना ली थी। हालांकि तब कांग्रेस को साथ देने की स्थिति में आप नहीं थी। वैसे अब यह दावे भी हो रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल को जेल से इसलिये जमानत मिली है ताकि वे हरियाणा में दमखम से चुनाव लडें और भाजपा विरोधी वोटों को बांट सकें। लेकिन यह बात याद रखी जानी चाहिए कि जब केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था, उसके बाद दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया की बड़ी रैली में आप के साथ कांग्रेस के लोग भी थे। पूरी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दल तब केजरीवाल की पत्नी सुनीता के साथ वैसी ही खड़ी थी, जिस प्रकार से वह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना के साथ थी। गौरतलब बात यह भी है कि केजरीवाल का मुकदमा कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में लड़कर उन्हें जमानत दिलाई है। यह अलग बात है कि जेल से छूटने के बाद उन्होंने अपना जो पहला भाषण दिया उसमें उन्होंने न तो सिंघवी को धन्यवाद दिया, न ही न्यायपालिका का आभार माना, उन्होंने ऐलान किया कि उन्हें भगवान के आशीर्वाद से जमानत मिली है क्योंकि वे सच्चे व ईमानदार हैं। यह साफ बतलाता है कि केजरीवाल की राजनीति या रणनीति में कोई खास बदलाव नहीं आया है। वे इंडिया गठबन्धन का हिस्सा रहते हुए हरियाणा के महत्वपूर्ण चुनाव में सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर चुके हैं. उससे यही संकेत मिलता है कि वे गठबन्धन का हिस्सा उतना ही रहेंगे जितने में उन्हें फायदा हो। कहा यही जा रहा है कि आप और कांग्रेस का गठबंधन लोकसभा के लिए ही है, विधानसभा के लिए नहीं। जहां तक श्री केजरीवाल के इस्तीफे की बात है, तो जानकारों का मानना है कि अब वे हरियाणा चुनाव में अपने आप को पूरी तरह से झोंक सकेंगे और उन्हें सहानुभूति भी मिलेगी। अब देखना है कि अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे से हरियाणा चुनाव में क्या समीकरण बदल पाते हैं, और एक अन्य दिलचस्प सवाल यह है कि क्या भाजपा का दिल्ली की सत्ता में लौटने का ख्वाब एक बार फिर अरविंद केजरीवाल नष्ट कर देंगे।

सरदार सरोवर नर्मदा में मनमानी

मेधा पाटकर

पूसरदार सरोवर, नर्मदा घाटी में नियोजित 30 बड़े बांधों में से एक महाकाय बांध! इस पर विस्थापितों ने पहाड़ी– निमाड़ी और तीन राज्यों के आदिवासी, किसान, मजदूर, कारीगर, पशुपालक, मछुआरे, व्यापारी... सभी ने गठित की एकजुटता से, अपने अधिकार, कानूनी और संवैधानिक उल्लंघन आदि पर 39 सालों से किया संघर्ष आज भी जारी है! ट्रिब्यूनल के फैसले पर 45 साल बाद जब पुनर्विचार होने जा रहा है, तो उससे भी पहले देश और प्रदेश की जनता ने जाननी चाहिए हकीकत, लाभ–हानि कीय ताकि सोच हो, भविष्य की! सरदार सरोवर बांध परियोजना की लाभ हानि का टाटा की कंपनी से (टीईसीएस) जल्दबाजी में विश्व बैंक से कर्जा उठाने के लिए, कई बुनियादी डाटा उपलब्ध न होते हुए, अध्ययन करवाया गया था। तब 1983 में 4200 करोड़ रुपए की लागत आंकी थी। जबकि 6400 करोड़ रुपए की लागत को योजना आयोग की मंजूरी 1988 में मिली थी। अब गुजरात विधानसभा में प्रस्तुत हुआ है कि उस परियोजना की लागत 90,000 करोड़ रुपए तक बढ़ी है। इस परिप्रेक्ष्य में आज भी मध्यप्रदेश और गुजरात तथा महाराष्ट्र और गुजरात के बीच कई वित्तीय मुद्दों पर विवाद जारी है। सबसे गंभीर हकीकत है कि गुजरात शासन कई सारे नये प्रस्ताव रखकर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से बड़ी राशि वसूलना चाहती है। मध्यप्रदेश की सरदार सरोवर की डूब में आई शासकीय भूमि और वनभूमि (जैसे, महाराष्ट्र की भी) की भरपाई की राशि करीबन 7000 करोड़ होते हुए, उसकी भी पूर्ति आज तक नहीं हुई है, जो परियोजना का हिस्सा और गुजरात का कानूनी फर्ज है! सरदार सरोवर में 192 गांव और 1 नगर को डूब में लाकर भी जलाशय के एक बूंद पर म. प्र. को नहीं है हक! तो इस महाकाय परियोजना से क्या हुआ है लाभ? कितनी भुगती है हानि राज्य ने? इस पर होगा कोई विचार या पुनर्विचार? यह दिसंबर 2024 के पहले (45 साल पूर्ति होने पर ट्रिब्यूनल फैसले पर ही पुनर्विचार जबकि नियोजित है, तो उसके पहले) होगा या नहीं, यह अहम् सवाल है! महाराष्ट्र राज्य ने एक अवैध कार्य किया है। राज्य का विरोध नकारकर, गुजरात के दबाव–प्रभाव में ट्रिब्यूनल ने दिया मात्र 0.25 एमएएफ याने 11 टीएमसी का पानी, जो महाराष्ट्र को खुद के ही नर्मदा क्षेत्र में उपयोग में लाना था। लेकिन 2015 में उसमें से आधा याने 5.5 टीएमसी पानी नर्मदा में बहां कर गुजरात को देना तय किया और महाराष्ट्र के अधिकारियों के हस्ताक्षर से एक अनुबंध हुआ, जो नर्मदा ट्रिब्यूनल फैसला याने कानून का सरासर उल्लंघन है! इसके बदले उकई बांध (गुजरात) का पानी लेकर पुनर्बसाहटों को देने की घोषणा भी फिजूल है। उर्वरित पानी भी राज्य शासन, नर्मदा की 7 उपनदियों पर 7 बांध बनाकर सतपुड़ा में बड़े टनेल द्वारा तापी की घाटी में ही परिवर्तित करने की योजना आगे धकेल रही है, जो नर्मदा घाटी के 300 आदिवासी गांवों पर डूब क्षेत्र के बचे फलियों के आदिवासियों पर भी वंचना से अत्याचार ही होगा। बड़े टनेल से सतपुड़ा भी धंसने लगेगा। सभी ग्रामसभाओं का विरोध श्पेसाश कानून के तहत शासन को आदेश है। यह एक नदी घाटी से दूसरी घाटी में पानी का वितरण है, जो कार्य आंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अब नामंजूर होता गया है। मोरारजी देसाई जब प्रधानमंत्री बने, तभी 10 साल बाद नर्मदा ट्रिब्यूनल का फैसला आया! सबसे अधिक बांध के– जलाशय के पानी पर अधिकार मिला, कच्छ–सौराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों के नाम, गुजरात को ! प्रत्यक्ष में कच्छ तरस रहा, वहां पहुंची शाखा नहर से आगे माइनर नेटवर्क का निर्माण न होने से रापार जैसे एकाध तहसील के कुछ किसान छोड़कर अन्यों को नहीं मिली सिंचाई आज तक! पीने का पानी भी बेचा जाता है तो कच्छ की बहुतांश ग्राम पंचायतें नहीं खरीदती है। कच्छ में पानी जाने से हम आंदोलनकारियों ने रोका, यह तो चुनावी प्रचार था हीय लेकिन हकीकत भी साबित करती है, कि सालों से कच्छ में अदानी बंदरगाह, ताप विद्युत परियोजना, जिंदल स्टील जैसी कंपनियों को मिला और कुछ शहरों को भी! सौराष्ट्र में भी छोटी नहरों की टूट–फूट जैसी समस्याएं और मुख्य नहर से निजी पंप द्वारा पानी लेने की खर्चिक नौबत से किसान परेशान है। महाराष्ट्र, गुजरात के पीढियों पुराने आदिवासी, पहाड़ी जंगल और मध्यप्रदेश के सबसे अधिक पहाड़ी– निमाड़ी गांव डूबोकर, कच्छ तक पहुंचे पानी में से कुछ लाख लिटर्स पानी व्यर्थ बहाया जा रहा है, कच्छ की ही रणभूमि में... जहां अगरिया समाज की नमक उत्पादन की आजीविका बर्बाद हो रही हैय जिनकी महिलाएं रो पड़ी थीं, हमें मिलने पर! क्या कहें? हंसे या रोए? गुजरात के नीचेवास में, 151 किलोमीटर तक फैले, नर्मदा, भरूच, बड़ौदा, इन तीन जिलों के गांवों के मछुआरे, आदिवासी, किसान और नगरवासी भी काफी भुगत रहे हैं। सरदार सरोवर के पर्यावरणीय असर के मुद्दों में अरबी समंदर का 2013 से नर्मदा में 60 किलोमीटर तक घूसना याने श्सी इंग्रेसश की चर्चा नहीं के बराबर है। इससे नर्मदा का पानी और भूजल में भी खारापन आया है, जो गुजरात के गांव, शहर के निवासियों पर, खेती और मत्स्य व्यवसाय पर आघात है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के 2022 के फैसले बाद, सर्वोच्च न्यायालय के भी 4 मार्च 2024 के, नर्मदा में जल परिवहन से पर्यटन के विरोधी फैसले के बावजूद क्रूज चलाने की अवैध प्रक्रिया और कार्य आज भी जारी है! नर्मदा घाटी विकासश के तहत आगे धकेलती योजनाओं का भविष्य इसके साथ देखना होगा। इसी माह में घोषित म.प्र. के नर्मदा घाटी विकास विभाग के बजट का ऊपरी क्षेत्र के बांध और लिंक परियोजनाओं पर आबंटित हिस्सा, जो 5700 करोड़ में से 4700 करोड़ है। इसमें 1970 के दशक में बने बर्गी परियोजना के नहरों के लिए आबंटन सही हैय लेकिन पूर्व में बनी नहरे दशकों तक सूखी रही क्यों? बर्गी से लेकर ओंकारेश्वर और इंदिरा सागर तक के बांधों से प्रभावितों के उर्वरित पुनर्वास कार्य पर ध्यान नहीं? आधे अधूरे कार्यों की पूर्ति से भी अधिक प्राथमिकता अन्य बांध और नदी जोड़ परियोजनाओं को (जिसमें बड़ी मात्रा में नर्मदा या जलाशयों से उद्वहन की योजनाएं हैं) देना क्यों हो रहा है? 1979 में पारित नर्मदा ट्रिब्यूनल फैसले पर, 45 साल पूर्ति के बाद याने दिसंबर 2024 के बाद पुनर्विचार होगा, तो मध्यप्रदेश के अपने ही जलग्रहण क्षेत्र के 18.25 एमएएफ पानी पर दिया अधिकार वापस खींचा न जाए, इसलिए! लेकिन सवाल यही है कि बसानिया, राघवपुर जैसे बांधों को, पर्यावरणीय अध्ययन सह मंजूरी न मिलते, प्रशासकीय मान्यता से बढ़ाएंगे? क्या इनसे विस्थापित और प्रभावित होने वाले आदिवासी और अन्य किसानों, मजदूरों के लिए, 2002 की मध्यप्रदेश की पुनर्वास नीति के तहत, पुनर्वास योजना तैयार है? नर्मदा घाटी के 30 बड़े और 135 मझौले बांधों के अलावा 3000 छोटे बांध भी थे मूल नर्मदा घाटी विकास योजना में। छोटे बांधों पर कितना रखा गया भरोसा? क्या उन्हें दी प्राथमिकता? जलग्रहण की छोटी इकाइयों का विकास क्यों नहीं बना आधार, जल–जंगल– जमीन बचाकर प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग का? आजतक जो बने हैं बांध, बर्गी से सरदार सरोवर तक, उनमें से एकेक की विशेष कहानी है, जो यहां बयां करना नामुमकिन है... फिर भी नर्मदा घाटी की, बड़े बांधों से लेकर बैराज, लिंक सहित सभी परियोजनाओं का एकत्रित असर का अध्ययन जरूरी है। अमेरिका के पदचिन्हों पर कदम बढ़ाये हमारे देश ने! टेनेसी नदी घाटी योजना की नकल की गई दामोदर घाटी योजना बनाकर, जो आज भी अधूरी ही क्या, विवादग्रस्त भी है। भाखड़ा नांगल को भी पहले आधुनिक मंदिर कहने वाले पंडित नेहरू जी ने ऐसे बांधों को भव्यता की बीमारी बताकर नकारा! अमेरिका ने ही 1994 से बड़े बांधों के निर्माण पर रोक लगा दी, और आजतक तो 1951 बांधों को निरस्त किया, जबकि यूरोप खंड के देशों ने कुल 4000 बांधों को निरस्त किया! क्या नर्मदा ही नहीं, हर नदी घाटी की और भारत की जनता यह जानती है? इसके लिए नदी घाटी एक इकाई मानकर अध्ययन ही आधार बने, यह जानने के लिए कि आज तक बने बड़े बांध, बड़े उद्वहन... सभी से क्या खोया है और क्या पाया है? इस परिप्रेक्ष्य को संवेदना के साथ देखें और जाने! सही विकास, विस्थापन, विनाश और बीभत्स विषमता के बिना, निरंतर और न्यायपूर्ण हो, इसके प्रति हम समर्पित हैं।

पुतिन के सामने डोभाल का झुका हुआ सिर भारत का अपमान है!

शकील अख्तर

जिन्दगी का एक सिद्धांत है। जो भी चीज आप दूसरे पर लागू करोगे वह एक दिन आप पर ही हमला करेगी। यूपीए सरकार के समय भाजपा और मीडिया ने एक शब्द का ईजाद किया था। बाडी लेंग्वेज! 2012–13 में इस शब्द के जरिए ये रोज डां. मनमोहन सिंह सोनिया गांधी शीला दीक्षित और अन्य कांग्रेसी नेताओं का पोस्टमार्टम करते रहते थे। उन्हें अपराधी, भ्रष्टाचारी, डरे हुए और जाने क्या–क्या बनाते रहते थे। शक्ल देखकर। आज वही बाडी लेंग्वेज अपने असली रूप में विश्व फलक पर सामने आ गई। दुर्भाग्य से इन लोगों ने उसे देश की छवि के रूप में रख दिया। गलत छवि। जो कभी नहीं थी। कमजोर छवि। माफी मांगने की मुद्रा! जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ के घर पर खुद के द्वारा की जा रही पूजा की फोटो ट्विट करके चीफ जस्टिस को जवाब देने लायक भी नहीं छोड़ा वैसे ही रूस ने अपने राष्ट्रपति के सामने सिर झुकाए सफाइयां दे रहे भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का वीडियो जारी करके भारत की इतने सालों की कमाई अन्तरराष्ट्रीय सम्मान पर एक झटके से गहरा दाग लगा दिया। भारत जिसके बारे में यह केवल बढ़–बढ़कर बातें करते हैं मदर आफ डेमोक्रेसी, विश्व गुरु, युद्ध रुकवा दिया और केवल रूस–यूक्रेन ही नहीं इजराइल और फिलिस्तीन के युद्ध के लिए भी ऐसा ही दावा किया था। खुद प्रधानमंत्री ने ही कहा कि रमजान में हमने इजराइल से कह दिया कि हमले नहीं होना चाहिए। वह भारत, रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास अपने सुरक्षा सलाहकार को भेज कर कह रहा है कि वैसे तो खुद प्रधानमंत्री मोदी आकर सफाई देना चाहते थे। मगर अभी उन्होंने मुझे भेजा है कि मैं आपको बता सकूं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात में दो लोग उनके साथ और एक मैं अपने प्रधानमंत्री के साथ था। इससे पहले पुतिन मोदी से फोन पर सफाई ले चुके थे। डोभाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आपको फोन पर बताया और खुद आकर भी बताएंगे। क्या है यह? क्या भारत कभी इतना कमजोर था? एक देश से हुई बात को दूसरे देश को बता रहा है! मोहल्ले और गांव के झगड़ों की तरह। एक दबंग से कह रहा है नहीं–नहीं हम उससे इसलिए नहीं मिले थे। यह नहीं कहा था। यह बात नहीं हुई! और वीडियो में पुतिन का स्टाइल देखिए! कैसे हेडमास्टर की तरह बैठे हुए हैं और डोभाल के बारे में आप खुद फैसला कीजिए कि किस तरह एक डरा और सहमा बच्चा बैठा हुआ है। यह अविभाजित सोवियत रूस नहीं है। यह दुनिया का ठेकेदार बनने वाला अमेरिका भी नहीं है। एक कमजोर युद्ध में उलझा हुआ देश है। रूस अब पहले की तरह महाशक्ति नहीं है। दुनिया का दूसरा ध्रुव। और जब थे। दोनों महाशक्ति अमेरिका और सोवियत रूस तब इन्दिरा गांधी जिन पर अभी शनिवार को ही हरियाणा में फिर कीचड़ उछालकर आए हैं, उन्होंने कभी भारत की सम्प्रभुता सम्मान से समझौता नहीं किया। सवाल ही नहीं उल्टा, अमेरिका को चुनौती दी। खूब खरी–खोटी सुनाई। यहां तक कहा 1971 में। कहा– सातवां बेड़ा नहीं, आठवां भी भेज दो पाकिस्तान अब दो टुकड़े होकर ही रहेगा। विदेश विभाग में तो परंपराएं, इतिहास, रिकार्ड चलता है ना! जयशंकर तो फॉरेन सर्विसेस के आफिसर रहे हैं। विदेश सचिव के स्तर तक। अब मोदी के विदेश मंत्री हैं। उन्हीं से बुलाकर पूछ लें कि इन्दिरा गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन को कैसी खरी–खरी सुनाई थीं। और यह भी पूछ लें कि सोवियत रूस से कैसे अपनी शर्तों पर बीस साला मैत्री संधि की थी। बता दें कि जयशंकर दोनों जगह मास्को और वाशिंगटन तैनात रहे हैं। भारत के रुआब से वाकिफ। दस साल सरकार चलाते हो गए। मगर अपनी कोई बात बताने के बदले अभी भी नेहरू, इन्दिरा, राजीव गांधी को कोस रहे हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां दस साल से उनकी सरकार है। केन्द्र में तो इससे कुछ महीने ज्यादा की है। तो वहां चुनाव प्रचार करने गए तो बताना चाहिए था दोनों जगह दस–दस साल सरकार होने से जनता को क्या क्या मिला? मगर बताने को कुछ है नहीं। तो नेहरू, इन्दिरा कांग्रेस को गालियां। हरियाणा की जनता इस बार बता देगी कि उसे बेवकूफ समझने का क्या परिणाम होता है। वैसे भी कुरुक्षेत्र जहां प्रधानमंत्री गए थे लोग उन्हें सुनने बहुत कम आए। प्रधानमंत्री के लिए प्रथम ग्रासे मक्षिका पात हो गया। लोकसभा चुनाव के बाद पहली चुनावी रैली में लोग ही नदारद थे। जो भीड़ मोदी की लोकप्रियता का पैमाना हुआ करती थीं। वह न कुरुक्षेत्र में थी और न जम्मू कश्मीर के डोडा में। खैर भारत में कई प्रधानमंत्री हुए हैं। देश को लेकर उनकी नीतियों की यहां खूब चर्चाएं और हिसाब हुए हैं। मगर कमजोर से कमजोर प्रधानमंत्री ने भी कभी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को किसी विदेशी राष्ट्र प्रमुख के सामने सिर झुकाकर सफाइयां देने नहीं भेजा। कोई छोटा राष्ट्र भी ऐसा नहीं करता है। किसी भी देश के लिए उसकी संप्रभुता सबसे बड़ी चीज होती है। नेहरू की विदेश नीति तक पर सवाल खड़ा करते हैं। उनके आज तक प्रासंगिक गुट निरपेक्ष आंदोलन का मजाक उड़ाते हैं और खुद विश्व गुरु होने के हसीन सपने में रुस और यूक्रेन दोनों जगह पहुंचकर गले मिलने, कंधे पर हाथ रखने, पीठ पर हाथ मारने जैसे कैमरे के लिए पोज देते हैं वह बैक फायर कर देता है। विदेश नीति कोई देश में भक्तों को, मीडिया को बेवकूफ बनाने जैसी नहीं होती है। सारे विदेश विभाग के अफसर जानते हैं। कभी–कभी बोल भी देते हैं। जैसे विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा था रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा और खुद प्रधानमंत्री के कहने के बाद कि नहीं रुस यूक्रेन युद्ध रुकवाने के दावे निराधार हैं। ऐसा कुछ नहीं हुआ था। वह तो शुक्र है रुस की न्यूज एजेन्सी स्पूतनिक ने डोभाल के वीडियो का थोड़ा सा हिस्सा ही डाला। रूस पुराना दोस्त है हमारा। नेहरू–इन्दिरा का सम्मान करने वाला। जानता है कि किसी एक व्यक्ति के विश्व गुरु बनने के दावों की सजा पूरे देश को और उस देश के अन्तरराष्ट्रीय सम्मान को नहीं दी जा सकती।

रवीना टंडन

ने उस फैन के साथ फोटो खिंचवाई, जिससे लगा था डर

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने पहले खुलासा किया था कि लंदन में एक फैन द्वारा सेल्फी लेने के बाद वह घबरा गई थीं। अब उन्होंने उस व्यक्ति को ढूंढकर उसके साथ फोटो क्लिक की। रवीना ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि लंदन में जब वह अकेली घूम रही थीं, तो कुछ लोग उनके पास जिससे वह घबरा गईं। हालांकि, उन्होंने माफी मांगी और कहा कि उनका किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। एक्ट्रेस ने रविवार को कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें से एक फोटो उस फैन के साथ भी थी जिससे वह डर गई थीं। उन्होंने कहा कि उस फैन को उन्होंने सोशल मीडिया पर ढूंढा और अपना वादा पूरा किया। रवीना ने लिखा, ऐसे कुछ दिन जब मैं एक स्टारशिप होती हूं, उड़ने के लिए तैयार... जब कोई बेफिक्र होकर घूमता है, इवेंट के लिए तैयार होता है... बेशक मेरी (मैनेजर) रीमा पंडित के बिना नहीं। अभिनेत्री ने आगे लिखा, फिर स्टार ऑफ द वीक, भाव पटेल, जिन्होंने मुझे डरा दिया और मैंने उन्हें सोशल मीडिया पर ढूंढा, और उनके साथ फोटो लेने का वादा पूरा किया। उन्होंने मुझे खाने के लिए सबसे टेस्टी चॉकलेट लाकर दी!रवीना ने एक पोस्ट डाली थी, जिसमें उन्होंने बताया कि लंदन में वह पैदल जा रही थीं और कुछ लोग उनके पास आए। उन्होंने लिखा, "मैंने वैसे भी यहां अपराध के बारे में बहुत अच्छी बातें नहीं सुनी हैं। इसलिए जब उन्होंने पूछा कि क्या मैं वही हूं जो मैं हूं, तो मैं थोड़ा डर गई। मेरे दिमाग में सबसे पहला ख्याल आया कि मैं मना कर दूं और तेजी से चली जाऊं क्योंकि मैं अकेली थी। मुझे लगता है कि वे सिर्फ एक तस्वीर चाहते थे, और मैं आम तौर पर उनकी बात मान लेती हूं, लेकिन कुछ महीने पहले बांद्रा में हुई घटना के बाद से मैं थोड़ी घबराई हुई और सदमे में हूं। इसलिए जब मैं लोगों के साथ होती हूं तो मुझे कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन इन दिनों अकेले में मैं अब भी थोड़ी घबरा जाती हूं।"उन्होंने अफसोस जताया था कि वह "इनोसेंट फैंस" को सेल्फी नहीं दे सकीं।

> “ रवीना ने लिखा, ऐसे कुछ दिन जब मैं एक स्टारशिप होती हूं, उड़ने के लिए तैयार... जब कोई बेफिक्र होकर घूमता है, इवेंट के लिए तैयार होता है... बेशक मेरी (मैनेजर) रीमा पंडित के बिना नहीं। अभिनेत्री ने आगे लिखा, फिर स्टार ऑफ द वीक, भाव पटेल, जिन्होंने मुझे डरा दिया और मैंने उन्हें सोशल मीडिया पर ढूंढा, और उनके साथ फोटो लेने का वादा पूरा किया।

सनी कौशल को विक्रांत मैसी में नजर आया बड़े भाई विक्की कौशल की झलक, एक्टर ने किया तुलना

बॉलीवुड एक्टर सनी कौशल ने हाल ही में अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के सह–कलाकार विक्रांत मैसी के साथ अपने तालमेल के बारे में बात की और कहा कि उन्हें विक्रांत में अपने भाई विक्की कौशल की झलक दिखती है। हाल ही में सनी कौशल ने विक्रांत की तारीफ में बहुत कुछ कहा जिसे सुनकर 12वीं फेल एक्टर के फैंस खुश हो जाएंगे। सिल्वर स्क्रीन के बाद ओटीटी पर भी छाने वाले विक्रांत मैसी की क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सेक्टर 36' हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके नेगेटिव रोल को हर कोई पसंद कर रहा है। अपनी एक्टिंग के लिए मशहूर विक्रांत के काम की तारीफ सिर्फ ग्लैमर की बाहरी दुनिया में ही नहीं बल्कि ग्लैमर की अंदरूनी दुनिया में भी होती है। हाल ही में सनी कौशल ने विक्रांत के साथ अपने ऑफ–स्क्रीन बॉन्ड के बारे में बात की। सनी कौशल ने विक्रांत के साथ 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में काम किए है। एक्टर ने हाल ही में सह–कलाकार विक्रांत मैसी के साथ अपने ऑफ–स्क्रीन बॉन्ड के बारे में जानकारी साझा की। रोमांटिक थ्रिलर में सनी ने विक्रांत मैसी और तापसी पन्नू के साथ स्क्रीन शेयर की है। हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, सनी ने खुलासा किया कि उन्हें विक्रांत में अपने भाई विक्की कौशल की झलक दिखती है, उन्होंने विक्रांत को अपना बड़ा भाई बताया। सनी और विक्की के पिता शाम कौशल बॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर हैं। उन्होंने विक्रांत की फिल्म 'मुंबईकर' में बतौर एक्शन डायरेक्टर काम किया था। सनी ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके पिता ने उन्हें विक्रांत के बारे में क्या बताया था। शाम कौशल ने कहा, "उनसे (विक्रांत) मिलने के बाद मुझे आपकी और विक्की की याद आ गई।" बॉलीवुड एक्टर सनी कौशल ने कहा "मैंने अपना पहला ऑडिशन एक शैम्पू के विज्ञापन के लिए दिया था, जब मैं एक्टिंग स्कूल से निकला ही था। मैं उस ऑडिशन में फेल हो गया था। कास्टिंग डायरेक्टर ने कहा, क्या तुम्हें एक्टिंग आती है? वापस जाकर सीखो। बता दें कि सनी कौशल हाल ही में फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में नजर आए। इस फिल्म में उनके साथ तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। 9 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हुई इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। विक्रांत और सनी कौशल की फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' को नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है।

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे की फिल्म 'मां भवानी' का ट्रेलर हुआ रिलीज, फैंस ने कहा– सुपर हिट फिल्म होगी

भोजपुरी सिनेमा की स्टार आम्रपाली दुबे आज के समय में किसी पहचान की मोहताज नहीं है। एक्ट्रेस का गाना सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता है। आम्रपाली के भोजपुरी गाने खूब वायरल होते हैं और दर्शकों को काफी पसंद भी आते है। भोजपुरी एक्ट्रेस अपने अभिनय से फिल्मों में जलवा बिखेरती नजर आती रहती है। एक्ट्रेस अपनी नई फिल्म में नजर आने वाली है। दरअसल, आम्रपाली की अपकमिंग फिल्म श्मां भवानीश का ट्रेलर आज यानी के 17 सितंबर 2024 को जारी कर दिया गया है। कुछ ही घंटों में लाखों लोगों ने देख लिया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस माता रानी के किरदार में नहीं है, बल्कि एक अनाथ लड़की का रोल निभा रही है।

भोजपुरी फिल्म श्मां भवानीश का ट्रेलर रिलीज हुआ

ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि जब–जब आम्रपाली दुबे का किरदार किसी मुसीबत में होती है। मां भवानी उनकी रक्षा करती हैं और जब आखिर में उन पर बड़ा संकट आना पड़ता है तो उनके अंदर ही माता रानी प्रवेश कर जाती हैं और दुश्मनों को करारा जवाब देती है उनको पीट–पीटकर धोती है जैसे कोई कपड़ा हो। इस फिल्म में एक्ट्रेस के सारे इमोशन्स देखने को मिल रहे हैं। इस फिल्म की कास्ट की बात करें, तो इसमें स्मृति सिन्हा, अंशुमान सिंह राजपूत, अवधेश मिश्रा, आयज खान, अनीता रावत और खुशबू यादव जैसे तमाम सितारे हैं। यशी फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता पंकज तिवारी और अमिक कुमार गुप्ता हैं। हालांकि, इस फिल्म की अभी तक कोई रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है। जल्द ही ये थिएटर्स में दस्तक देगी।

शादी के बंधन में बंधे अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ, सामने आई पहली तस्वीर

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ काफी टाइम से रिलेशनशिप में हैं. कपल ने मार्च में सगाई की थी और तब से फैंस इनकी शादी का इंतजार कर रहे थे. फाइनली इस जोड़ी ने सीक्रेट शादी कर ली है. एक्ट्रेस ने अपन इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिद्धार्थ संग अपनी शादी की पहली तस्वीरें भी शेयर की हैं. शादी की तस्वीरों में कपल ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आ रहे हैं और एक दूसरे में खोए हुए दिख रहे हैं. वहीं शादी की अनाउंसमेंट करते हुए एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर वेडिंग की फोटो शेयर की हैं. तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा है. अदिति ने लिखा, "आप मेरे सूरज हो, मेरे चंद्रमा और मेरे सभी सितारे हो३"अनंत काल तक पिक्सी सोलमेट्स बने रहने के लिए३ हँसने के लिए, कभी बड़े न होने के लिए३अनंत प्यार के लिए, प्रकाश और जादू के लिए, मिसेज एंड मिस्टर अदु–सिद्धू.आपको बता दें कि सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी लंबे समय से एक–दूसरे के साथ सीक्रेट रिलेशनशिप में थे। दोनों की शादी को लेकर कुछ दिनों पहले अफवाह उड़ी थी, हालांकि, दोनों में से किसी ने भी कोई रिएक्शन नहीं दिया था। इतना ही नहीं दोनों ने अपने रिलशनशिप को लेकर भी कभी पुष्टि नहीं की थी। लेकिन ताजा रिपोर्ट की मानें तो दोनों ने तेलंगाना के एक मंदिर में गुपचुप शादी कर ली है। बता दें कि दोनों ने तेलंगाना के वानापर्थी जिले के श्रीरंगपुरम में श्री रंगनायकस्वामी मंदिर में शादी की है। कपल की शादी की बात सामने आने के बाद फैन्स उन्हें सोशल मीडिया के जरिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। बता दें कि दोनों ने 2021 में अजय भूपति द्वारा निर्देशित तेलुगु फिल्म महासमुद्रम में साथ में काम किया था। इस फिल्म में साथ काम करने के दौरान ही दोनों रिलेशनशिप आए थे। सिद्धार्थ ने अपने करियर में तेलुगु, तमिल, हिंदी फिल्मों में काम किया है। वहीं, अदिति भी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने अपने दम पर एक भी हिट फिल्म नहीं दी।

आलिया और रणबीर की लाडली राहा दादी को देख बजाने लगी ताली, एयरपोर्ट पर दिखा सुपर क्यूट अवतार

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की नन्हीं राजकुमारी राहा कपूर सबसे पसंदीदा स्टार किड्स में से एक हैं। डेढ़ साल की राहा की झलक मिनटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है। हाल ही में राहा ने पहली बार पैपराजी को देखकर रिएक्ट किया है। उनका ये वायरल वीडियो सामने आया है जिसे एक बार देखने के बाद आप बार–बार देखेंगे। दादी और पोती का यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है।दादी को देख खुशी से झूमीं आलिया और रणबीर की बेटी राहा कपूर। अभिनेता रणबीर की लाडली अपने गोल–मटोल चेहरा, नीली आंखें और प्यारी सी मुस्कान से किसी का भी दिल चुरा सकती हैं। पैपराजी के सामने कभी अपने पापा को किस करती नजर आती हैं तो कभी अपनी मां के साथ घूमती नजर आती हैं। फिलहाल राहा का अपनी दादी नीतू कपूर के साथ एक दिल छू लेने वाला वीडियो वायरल हो रहा है।राहा को रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। अपनी मां की गोद में बैठी राहा ने जब अपनी दादी नीतू कपूर को देखा तो खुशी से झूम उठीं। नीतू कपूर के आते ही आलिया की गोद में बैठी राहा अपनी दादी को देखकर मुस्कुराने लगीं। नीतू ने उन्हें बच्ची कहा और दादी कहकर राहा ताली बजाकर उनसे बात करने लगीं। एयरपोर्ट पर उनकी क्यूट चौट देखकर वहां मौजूद हर कोई मुस्कुराने लगा। आलिया और रणबीर अपनी बेटी को एकटक देखते रहे।राहा कपूर का यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर सामने आया, लोग राहा की क्यूटनेस के दीवाने हो गए। ज्यादातर लोगों को उनकी क्यूट आवाज पसंद आ रही है। एक यूजर ने कहा, "मैंने राहा की आवाज पहली बार सुनी है। बहुत प्यारी।" एक ने कहा, "अचानक राहा कुछ बताने लगीं। बहुत प्यारी।" कई फैन्स ने राहा को बहुत क्यूट बताया। एक ने उन्हें बातूनी बताया। दूसरे फैन्स भी उन पर प्यार लुटा रहे हैं।अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने हाल ही में अपने परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें अपने पिता रणबीर की गोद में बैठी राहा की तस्वीरें वायरल होने लगीं। राहा ने ग्रीन लहंगा पहना था जिसमें वह बेहद क्यूट लग रही थीं।

रोजाना सुबह नारियल पानी पीने से सेहत को मिलते हैं जबरदस्त, दूर होगी कई बीमारियां

नारियल पानी पीना सबसे ज्यादा हेल्दी माना जाता है। नारियल पानी पीने सिर्फ हाइड्रेशन ही नहीं बल्कि और कई भी स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। क्योंकि, इसमें कई पोषक तत्व और इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को दुरुस्त रखने में काफी मदद करता है। आइए जानते हैं खाली पेट नारियल पानी पीने के फायदे।

अगर आप चाहते हैं कि आपका शरीर स्वस्थ रहे और स्किन भी ग्लो करें। इसके लिए आपको कुछ ज्यादा नहीं करना, बस खाली पेट रोजाना सुबह नारियल पानी पीना चाहिए। खुद को फिट रखने के लिए और दिनभर एक्टिव बने रहने के लिए डाइट में नारियल पानी को एड कर सकते हैं। नारियल पानी एक नेचुरल ड्रिंक है, जिसमें कई जरुरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। नारियल पानी को अपनी डाइट में जरुर शामिल करें। इससे कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

पाचन में सुधार

नारियल में कई पोषक तत्व पाए जाते है जो सेहत के लिए सबसे बढ़िया है। नारियल पानी में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और एंजाइम पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। पेट की एसिडिटी को संतुलित करता है और पाचन एंजाइम्स को बढ़ावा देता है।

वजन कम करने में मददगार

खाली पेट नारियल पानी पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। नारियल पानी में कम कैलोरी और कोई ट्रांस फैट या कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है, जिससे यह वजन कम करने के लिए एक परफेक्ट ड्रिंक बन जाता है। यह एक नेचुरल एनर्जी बूस्टर के रुप में भी काम करता है, ऐसा करने से भूख कम लगती है और अनियमित खाने की आदतों को रोकने में मदद मिलती है।

इम्यून सिस्टम मजबूत होता है

नारियल पानी का सेवन हर तरह से फायदेमंद है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत रहता है। नारियल पानी में एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह शरीर को इन्फेक्शन और बीमारियों से बचाने में मदद करती है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता

सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। नारियल में पोटेशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

किडनी की सेहत के लिए फायदेमंद

नारियल पानी पीने से किडनी संबंधित रोग ठीक होते हैं। नारियल पानी में डाययुरेटिक गुण होते हैं, जो शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को निकालने में मदद करता है। ये किडनी की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है और गुर्दे की पथरी के जोखिम को कम करता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

जैसा कि हम सभी स्किन के हेल्दी रखने के लिए नारियल पानी का सेवन करते हैं। नारियल पानी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करता है। यह त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और ग्लोइंग स्किन बनाता है।

बदलते मौसम में इम्यूनिटी को स्ट्रॉग रखने के लिए इन चीजों का करें सेवन

बरसात के मौसम के बाद ठंड आने की शुरुआत हो जाती है। बदलते मौसम में शरीर एडजस्ट होने में थोड़ा समय लेता है। इस सीजन में हम सभी बीमार पड़ जाते हैं। बदलते मौसम में खुद को स्वस्थ रखने के लिए सही खानपान बनाए रखना जरुरी है। इस लेख में हम आपको ऐसे कुछ फूड के बारे में जानकारी दे रही हैं जिससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है और संक्रमण से लड़ने के लिए सक्षम बना रहता है।

बदलते मौसम में इन चीजों का करें सेवन

– स्प्राउट्स प्रक्रिया ही विटामिन और खनिजों को बढ़ाती है। नतीजतन, स्प्राउट्स मैग्नीशियम, फास्फोरस, मैंगनीज और विटामिन के से भरपूर होते हैं। यह स्प्राउट्स में एंटीऑक्सीडेंट भी बढ़ाता है। तांबा, आयरन और जिंक जैसे एंटीऑक्सीडेंट बीमारियों और बैक्टीरिया के खिलाफ शरीर की सुरक्षा में सुधार करने के लिए जाने जाते हैं।

– हमारा शरीर अपने आप विटामिन सी का उत्पादन नहीं करता है, और इसलिए यह अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें जो विटामिन सी (संतरा/आंवला/ बेल मिर्च/टमाटर/क्रूसिफेरस सब्जियां) से भरपूर हों, खासकर मौसम के बदलाव के दौरान।

– किण्वित प्रोबायोटिक्स और दही जैसे प्राकृतिक स्रोतों में श्अच्छे बैक्टीरियाश स्वाभाविक रूप से आपकी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, जिससे इस फ्लू के मौसम में सुरक्षित रहने की आपकी क्षमता में सुधार होता है।

–लहसुन में एलिसिन नामक एक प्राकृतिक रासायनिक घटक में अद्भुत जीवाणुरोधी और एंटी–फंगल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद कर सकते हैं, और इसलिए सर्दी या फ्लू होने के जोखिम को कम कर सकते हैं।

–पपीता में अपनी उच्च फाइबर सामग्री और एंजाइम पपेन के कारण पाचन में सुधार करता है। इसमें विटामिन सी भी प्रचुर मात्रा में होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

– विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, सहजन की पत्तियों से आम सर्दी, फ्लू से लड़ने और कई सामान्य संक्रमणों को दूर करने में मदद करता है। थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और विटामिन बी 12 जैसे आवश्यक बी विटामिन से भरपूर सहजन पाचन रस के स्राव को उत्तेजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और पाचन तंत्र के सुचारू कामकाज में मदद करता है।

डैंड्रफ से हैं परेशान तो महंगे शैंपू नहीं काम आएगी किचन की ये चीज

डैंड्रफ एक आम समस्या है जो न केवल बालों की खूबसूरती को प्रभावित करती है, बल्कि इसके कारण बालों का टूटना और झड़ना भी बढ़ सकता है। इसके इलाज के लिए महिलाए अक्सर विभिन्न प्रोडक्ट्स का उपयोग करती हैं, लेकिन कई बार ये समस्याए जस की तस बनी रहती हैं। हालांकि, डैंड्रफ से राहत पाने के लिए एक नेचुरल और प्रभावी उपाय है दृ सेब का सिरका। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे सेब के सिरके का इस्तेमाल करके डैंड्रफ को कम किया जा सकता है, और इसके लाभ क्या हैं।

पीएच संतुलन बनाए रखना

सेब का सिरका बालों और स्कैल्प के pH स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। जब स्कैल्प का पीएच स्तर असंतुलित होता है, तो डैंड्रफ की समस्या बढ़ सकती है। सेब का सिरका स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है, जिससे डैंड्रफ कम हो सकता है।

एंटीफंगल गुण

सेब के सिरके में प्राकृतिक एंटीफंगल गुण होते हैं, जो डैंड्रफ के मुख्य कारणों में से एक, फंगल इंफेक्शन, को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह सिरके के गुण फंगल संक्रमण को कम करते हैं और स्कैल्प को साफ रखते हैं।

त्वचा की सफाई

सेब का सिरका स्कैल्प पर जमी गंदगी, अतिरिक्त तेल और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। यह स्कैल्प की सफाई को बढ़ावा देता है, जिससे डैंड्रफ की समस्या कम हो जाती है और बाल अधिक चमकदार और स्वस्थ नजर आते हैं।

रक्त संचार में सुधार

सेब का सिरका स्कैल्प पर रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों को बेहतर पोषण मिलता है। बेहतर रक्त संचार से बालों की वृद्धि में सुधार हो सकता है और डैंड्रफ की समस्या में भी कमी आ सकती है।

सेब के सिरके का उपयोग कैसे करें

एक कप सेब का सिरका लें और इसे एक कप पानी के साथ मिलाएं। यदि आपके पास संवेदनशील त्वचा है, तो सिरके की मात्रा कम कर सकते हैं। इस मिश्रण को एक स्प्रे बॉटल में भरें और इसे सीधे स्कैल्प पर स्प्रे करें। सुनिश्चित करें कि यह पूरी स्कैल्प पर अच्छे से लगे। मिश्रण को अपने स्कैल्प पर धीरे–धीरे मालिश करें। इससे सिरके के गुण स्कैल्प में अच्छे से समा जाएंगे। इस मिश्रण को स्कैल्प पर 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद, अपने बालों को ठंडे पानी से धो लें और सामान्य शैम्पू से धोएं। बेहतर परिणाम के लिए, इसे सप्ताह में 2–3 बार उपयोग करें। सेब का सिरका एक सरल और प्राकृतिक उपाय है जो डैंड्रफ की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। इसके एंटीफंगल गुण, चभ संतुलन बनाए रखने की क्षमता, और त्वचा की सफाई के लाभ इसे डैंड्रफ के इलाज के लिए एक प्रभावी बनाते हैं। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति की त्वचा और बालों की स्थिति अलग होती है, इसलिए उपयोग से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यदि आपकी समस्या गंभीर है या सुधार नहीं होता है, तो विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आप इस नेचुरल उपचार का उपयोग करके अपने बालों को स्वस्थ और डैंड्रफ मुक्त बना सकते हैं।

चाय के साथ खाते हैं नमकीन तो हो जाए सावधान, सेह्त को हो सकता है नुकसान!

हमारे देश में चाय का आनंद अक्सर नमकीन और बिस्किट के साथ लिया जाता है। यह आदत कुछ लोगों के लिए एक ताजगी भरे ब्रेक का हिस्सा होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय के साथ नमकीन का संयोजन आपकी सेहत के लिए कितना हानिकारक हो सकता है? आइए इस विषय पर विस्तार से चर्चा करें और समझें कि इस फूड कॉम्बिनेशन से सेहत को कौन–कौन से नुकसान हो सकते हैं।

अपच की समस्या

दूध वाली चाय के साथ नमकीन, खट्टी या चटपटी चीजें खाना आपके पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। चाय और नमकीन को एक साथ सेवन करने से पेट में असुविधा और अपच की समस्या उत्पन्न हो सकती है। यह खासकर तब होता है जब नमकीन में भारी मसाले या रिफाइंड कार्ब्स होते हैं।

बढ़ सकता है डायरिया का खतरा

चाय में पाए जाने वाले टैनिन और नमकीन के संयोजन से आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। टैनिन दूध के साथ ठीक से मिश्रित नहीं होता और नमकीन में मौजूद सामग्री आपके पेट में सूजन और दर्द पैदा कर सकती है। इसके परिणामस्वरूप डायरिया और अन्य पाचन समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

हो सकती है एसिडिटी

यदि आप दूध वाली चाय के साथ ड्राई फ्रूट्स वाली नमकीन खाते हैं, तो इससे एसिडिटी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। चाय के साथ तेल या रिफाइंड में फ्राई की गई चीजों का सेवन करने से एसिडिटी और गैस्ट्रिक समस्याएं हो सकती हैं। यह सेहत के लिए अनचाहा परिणाम हो सकता है।

गट हेल्थ पर असर

नमकीन में पाए जाने वाले रिफाइंड कार्ब्स को डाइजेस्ट करने में काफी समय लगता है, जिससे आपकी गट हेल्थ प्रभावित हो सकती है। चाय और नमकीन का संयोजन आपकी आंतरिक प्रणाली को डैमेज कर सकता है, जिससे आपको लंबे समय तक पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

जरूरी है वजह समझना

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नमकीन में पाए जाने वाले रिफाइंड कार्ब्स को डाइजेस्ट करने में काफी ज्यादा समय लग सकता है। यही वजह है कि नमकीन के साथ चाय पीने से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। अपनी सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए इस तरह के गलत फूड कॉम्बिनेशन्स से परहेज करना बेहद जरूरी है। आपकी सेहत को बनाए रखने और बीमारियों से बचने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप चाय के साथ गलत फूड कॉम्बिनेशन्स से बचें। यदि आप चाय का आनंद लेना चाहते हैं, तो इसे बिना नमकीन या अन्य भारी खाद्य पदार्थों के साथ लें। अपने आहार में संतुलन बनाए रखें और सेहतमंद विकल्प चुनें। इस तरह से आप अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और लंबे समय तक स्वस्थ रह सकते हैं।

संक्षिप्त

जल्द करें खरीददारी, महंगी होने वाली है सोने की कीमत, इस रिपोर्ट में हुआ खुलासा

भारत में आभूषण बाजार में खरीदारी के रुझान में बदलाव देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में ग्राहकों की व्यापक श्रेणी मांग को बढ़ावा देगी। पहली तिमाही में जहां अमीर खरीदारों ने खरीदारी की है। वहीं दूसरी तिमाही में कम कीमत वाले आभूषणों की खरीदारी में बढ़ोतरी देखी गई। अर्ध–शहरी और ग्रामीण बाजार भी समग्र मांग में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ये आंकड़े नुवामा की रिपोर्ट में सामने आए है। रिपोर्ट बताती है कि 2024 की दूसरी छमाही में उद्योग–व्यापी मात्रा की मांग में 18 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा सकती है। विशेषज्ञ इस वृद्धि का श्रेय आगामी त्यौहारी सीज़न को देते हैं, जिसमें खुदरा विक्रेता ग्राहकों की मांग में अपेक्षित वृद्धि को पूरा करने के लिए अपने स्टोर नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। इस क्षेत्र के प्रदर्शन का एक प्रमुख संकेतक सोने का आयात है। नुवामा रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई और अगस्त 2024 में सोने का आयात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक होने की उम्मीद है, जिसमें अगस्त में मजबूत सुधार देखने को मिला है। यह रुझान आभूषण क्षेत्र में बढ़ती मांग की ओर इशारा करता है, जिसे केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की निरंतर खरीद से भी बल मिला है। यह खरीद गतिविधि बाजार में सोने की कीमत और मात्रा दोनों में वृद्धि को आगे बढ़ा रही है। सोने की कीमतों में उछाल आया है, जो वर्तमान में 2023 की दूसरी छमाही में दर्ज औसत स्तर से 30 प्रतिशत अधिक है। मात्रा में 18 प्रतिशत की अपेक्षित वृद्धि, आने वाले महीनों में आभूषण बाजार के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाती है। घरेलू सोने की कीमतें, जो अतिरिक्त स्टॉक और कमजोर मांग के कारण पांच महीने से छूट पर कारोबार कर रही थीं, जुलाई के केंद्रीय बजट में घोषित बुनियादी सीमा शुल्क में कटौती के बाद भी बढ़ीं। भविष्य की ओर देखें तो, पहली तिमाही के दौरान मात्रा में 9 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट के बावजूद, बाजार में पुनः उछाल आने की उम्मीद है। जुलाई से अगस्त 2024 की अवधि में पहले से ही सुधार के सकारात्मक संकेत दिखाई देने लगे हैं, तथा भारत में विवाह के चरम सीजन के करीब पहुंचने पर आगे भी वृद्धि की उम्मीद है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने अनुमान लगाया है कि कैलेंडर वर्ष 2024 में सोने की मांग 850 टन तक पहुंच जाएगी, जो कि पिछले साल की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

बुच दम्पति तथ्यों के साथ कांग्रेस के आरोपों का खंडन कर रहे : निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच अपना बचाव कर रहे हैं और ऐसे तथ्य सामने रख रहे हैं जो कांग्रेस के आरोपों के विपरीत हैं। माधबी पुरी बुच से जुड़ी स्थिति के बारे में उनके आकलन के सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा, ''काफी आरोपों के जवाब दिये गये हैं... मुझे लगता है कि तथ्यों को ध्यान में रखना होगा।'' यह पहली बार है कि वित्त मंत्री ने इस मुद्दे पर कुछ कहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह माधबी पुरी बुच के जवाबों से संतुष्ट हैं, सीतारमण ने कहा, ''मैं यहां इसका फैसला करने के लिए नहीं हूं।'' मंत्री ने न्यूज18 इंडिया चौपाल में ये बातें कही। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और और उनके पति धवल बुच ने अनियमितता बरतने और हितों के टकराव को लेकर कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि ये आरोप गलत, प्रेरित और साख बिगाड़ने की कोशिश हैं। उनके पति धवल बुच ने कांग्रेस के लगाए गए गड़बड़ी और हितों के टकराव के आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि वे आधारहीन, दुर्भावनापूर्ण और प्रेरित हैं। बुच ने अपने खिलाफ लगे आरोपों का बिंदुवार खंडन करते हुए एक बयान में कहा था कि 'तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश करने' की एक स्पष्ट परिपाटी उभरती हुई नजर आ रही है। उन्होंने इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने का भी संकेत दिया। कांग्रेस ने माधबी पुरी बुच पर सेवानिवृत्ति के बाद भी आईसीआईसीआई बैंक से आय होने और वॉकहार्ट एसोसिएट्स से किराया मिलने जैसे आरोप लगाए हैं। मुख्य विपक्षी दल ने धवल बुच और उनकी दो कंपनियों– भारत में अगोरा एडवाइजरी और सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स की तरफ से दिए गए परामर्श कार्यों को लेकर भी आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि धवल बुच ने महिंद्रा समूह से 4.78 करोड़ रुपये उस समय अर्जित किए जब सेबी नियमों के उल्लंघन को लेकर उस कंपनी के खिलाफ जांच कर रहा था।

भारत को अपनी सिलिकॉन वैली बनाने के बारे में विचार करना चाहिए : उद्योग मंत्री

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका की मशहूर सिलिकॉन वैली की तर्ज पर भारत में भी उद्यमियों एवं स्टार्टअप के लिए समर्पित एक टाउनशिप स्थापित करने का सोमवार को सुझाव दिया। सिलिकॉन वैली अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र का दक्षिणी हिस्सा है। यह पूरी दुनिया में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं नवीन प्रौद्योगिकी पर आधारित कंपनियों का गढ़ माना जाता है। गोयल ने यहां स्टार्टअप कंपनियों के लिए एक रजिस्ट्री मंच 'भास्कर' की शुरुआत पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत को अपनी खुद की सिलिकॉन वैली बनाने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें आगे जाने की आकांक्षा रखनी चाहिए। हमें अपनी खुद की सिलिकॉन वैली बनाने के बारे में सोचना चाहिए। मैं जानता हूं कि बेंगलुरु भारत की सिलिकॉन वैली है। लेकिन मुझे लगता है कि अब एनआईसीडीसी के साथ मिलकर उद्यमियों, स्टार्टअप, नवाचारियों और नई खोज को समर्पित लोगों को पूरी तरह से समर्पित एक नई टाउनशिप बनाने के बारे में सोचने का वक्त आ गया है।'' गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम को क्रियान्वित कर रहा है जिसका लक्ष्य नए औद्योगिक शहरों को स्मार्ट शहर बनाना है।

टेस्ट में नया रिकॉर्ड बना सकते हैं कोहली, 152 रन बनाते ही हो जाएंगे सचिन-द्रविड़ के क्लब में शामिल

चेन्नई। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से वह निजी कारणों के चलते बाहर हो गए थे। अब वह लय में वापसी के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज किंग कोहली के लिए काफी अहम है। इस सीरीज में वह कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। हम यहां आपको उन रिकॉर्ड्स के विषय में बताएंगे जिन पर दिग्गज बल्लेबाज की नजर रहेगी। आइये जानते हैं...

टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

खिलाड़ी	मैच	रन
सचिन तेंदुलकर	200	15921
राहुल द्रविड़	163	13265
सुनील गावस्कर	125	10122
विराट कोहली	113	8848

सचिन–द्रविड़ के क्लब में शामिल हो सकते हैं कोहली

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के नाम 113 टेस्ट मुकाबलों में 8848 रन दर्ज हैं। आगामी सीरीज में उनके पास 9000 रन पूरे करने का सुनहरा मौका है। अब तक सिर्फ तीन भारतीय बल्लेबाजों ने यह कारनामा किया है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भले ही टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट में दिग्गज से पहले नौ हजार रनों का आंकड़ा छू लिया था। वहीं, सचिन इस मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ इस मामले में तीसरे स्थान पर हैं। विराट कोहली टेस्ट में नौ हजार रन पूरे करने से सिर्फ 152 रन दूर हैं। वह ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन शीर्ष पर हैं। उन्होंने 200 मैचों की 329 पारियों में 15921 रन बनाए। द्रविड़ ने 284 पारियों में 13265 रन बनाए जबकि गावस्कर के नाम 214 पारियों में 10122 रन दर्ज हैं।

तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ने से 58 रन दूर कोहली

आगामी टेस्ट सीरीज में विराट कोहली के पास एक नया कीर्तिमान स्थापित करने का मौका है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 591 पारियों 26942 रन दर्ज हैं। किंग कोहली को 27 हजार रन पूरे करने के लिए 58 रन की जरूरत है। अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 27 हजार रन बनाने का कारनामा सचिन तेंदुलकर ने किया है। उन्होंने 623 पारियों में 27 हजार रन पूरे किए थे। वहीं, कोहली उनके इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं और सबसे कम पारियों में यह कारनामा करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन सकते हैं।

यशस्वी जायसवाल की नजरें ब्रेंडन मैक्कलम के रिकॉर्ड पर

बांग्लादेश के खिलाफ तोड़ सकते हैं Records

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में युवा भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को भी स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में जुलाई 2023 में अपना डेब्यू किया था। वेस्टइंडीज दौरे पर यशस्वी को अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला था और इसके बाद से वह टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया का अहम हिस्सा बन चुके हैं। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यशस्वी के पास ब्रेंडन मैक्कुलम का एक खास वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का मौका होगा। बता दें कि, टेस्ट क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड फिलहाल मैक्कुलम के नाम दर्ज है। यशस्वी ने अभी तक भारत के लिए 9 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 68.53 की औसत से और 70.07 के स्ट्राइक रेट से कुल 1028 रन बनाए हैं। जायसवाल के बैट से तीन शतक और चार फिफ्टी भी निकल चुकी हैं। इसमें एक डबल सेंचुरी भी शामिल हैं। वहीं मैक्कुलम ने साल 2014 में टेस्ट क्रिकेट में कुल 33 छक्के लगाए थे। 10 साल में मैक्कुलम के इस रिकॉर्ड के करीब तो बेन स्टोक्स पहुंचे, लेकिन ये रिकॉर्ड आजतक कोई नहीं तोड़ पाया है। एक और ऐसा नया रिकॉर्ड बनाने का भी, जहां तक पहुंच पाना किसी बैटक के लिए आसान नहीं होगा। साल 2024 में यशस्वी अभी तक टेस्ट क्रिकेट में कुल 26 छक्के लगा चुके हैं। 2022 में बेन स्टोक्स ने भी इतने ही छक्के लगाए थे। भारत को इस साल में अभी 9 टेस्ट मैच और खेलने हैं, यशस्वी का इन सभी में खेलना काफी हद तक तय है। अभी तक यशस्वी आठ छक्के और लगा लेंगे, तो वह ब्रेंडन मैक्कुलम के 33 छक्कों के वर्ल्ड रिकॉर्ड को ध्वस्त कर डालेंगे, लेकिन अगर यशस्वी अपनी फॉर्म को बरकरार रखते हुए इस साल भारत के सभी 9 टेस्ट मैच खेल लेते हैं, तो ऐसे में वह ऐसा रिकॉर्ड खड़ा कर सकते हैं, जिसे तोड़ पाना बिल्कुल भी आसान नहीं होगा।

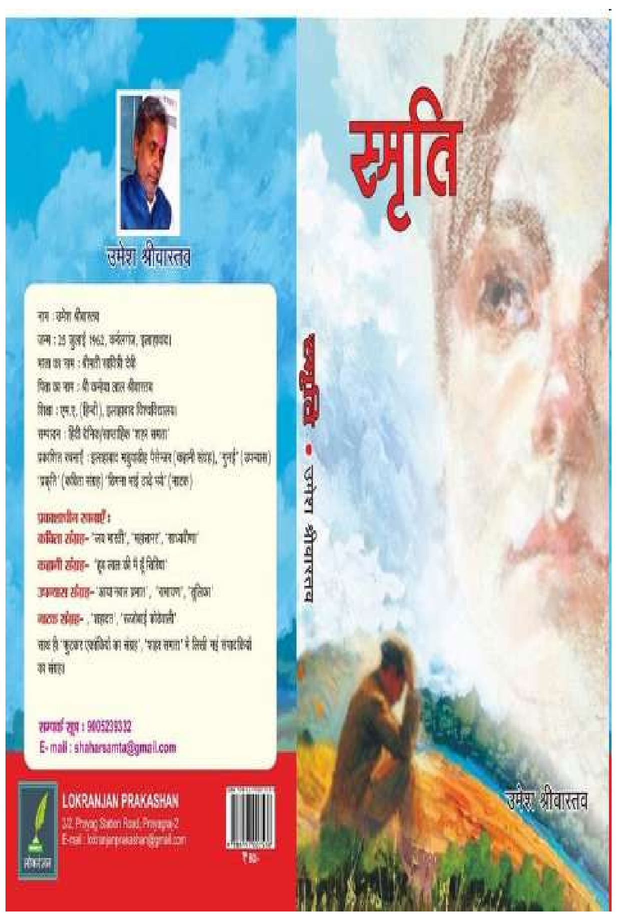

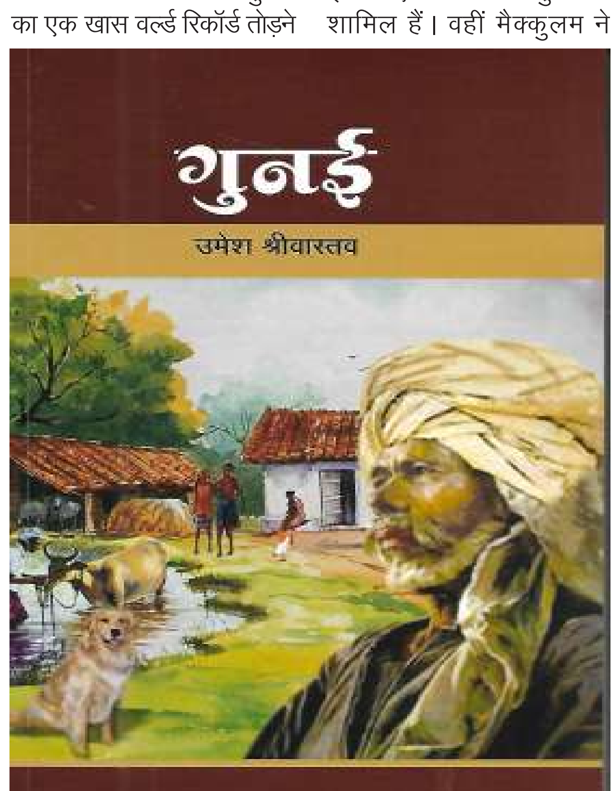

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

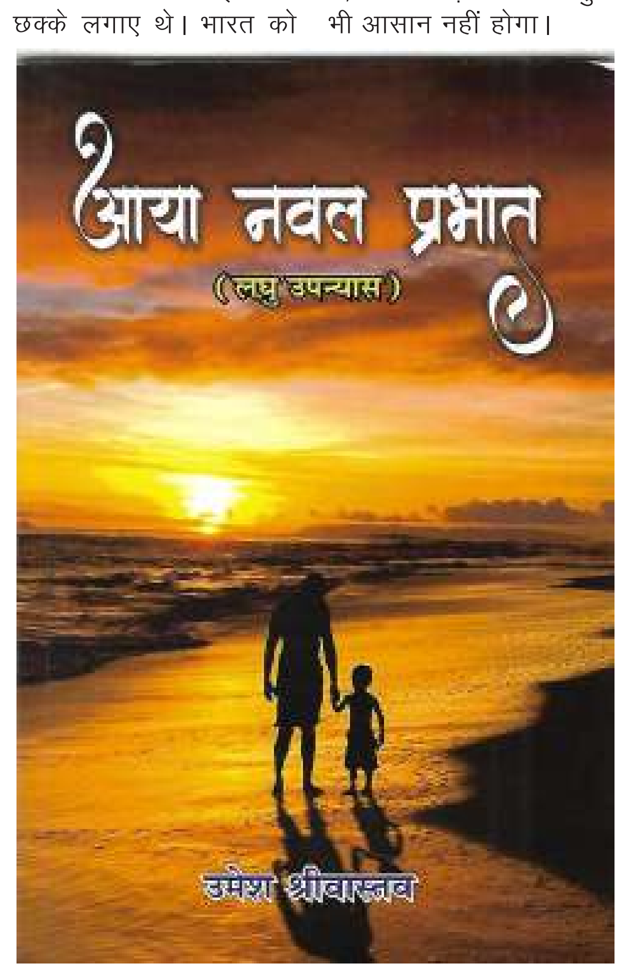

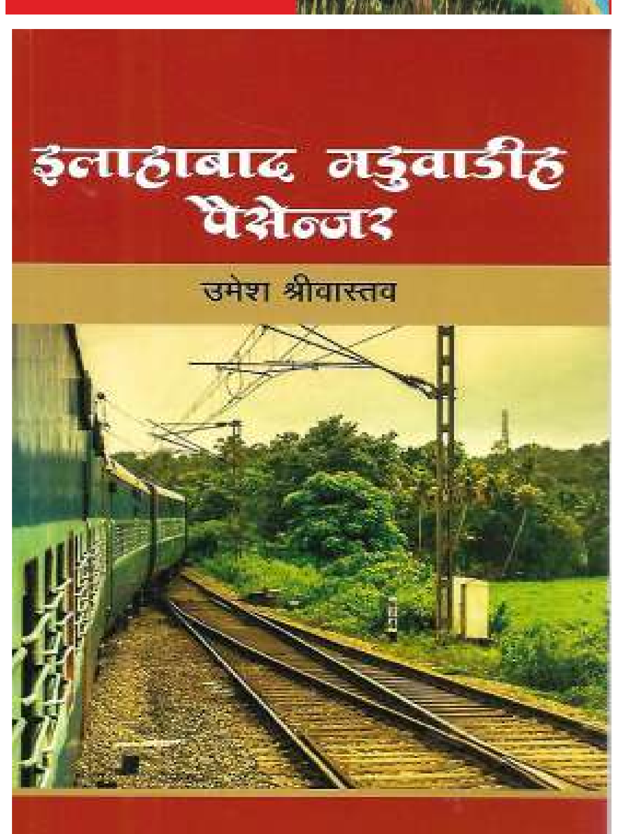

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

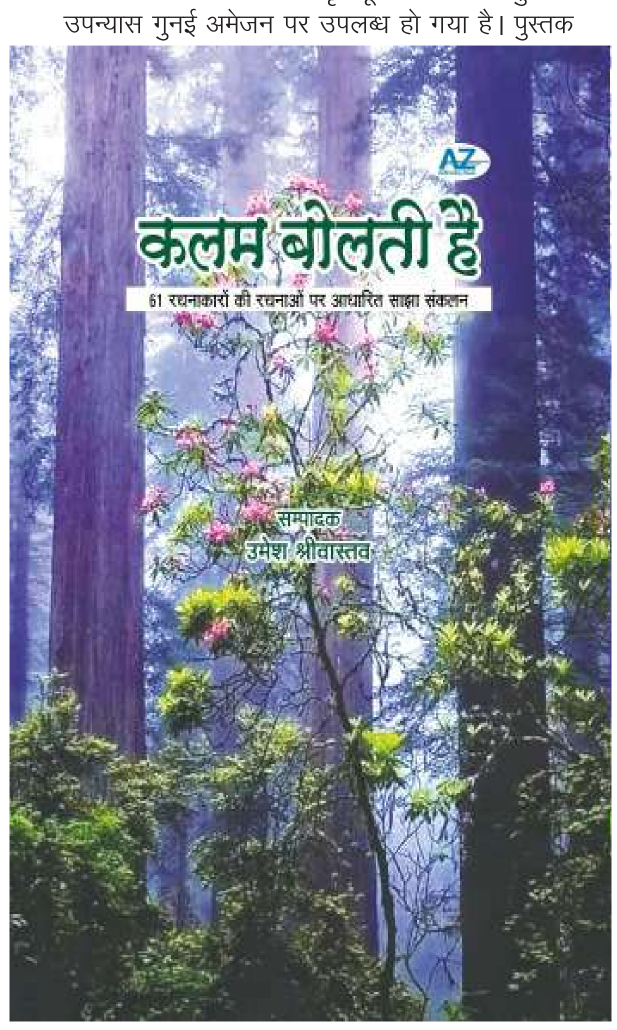

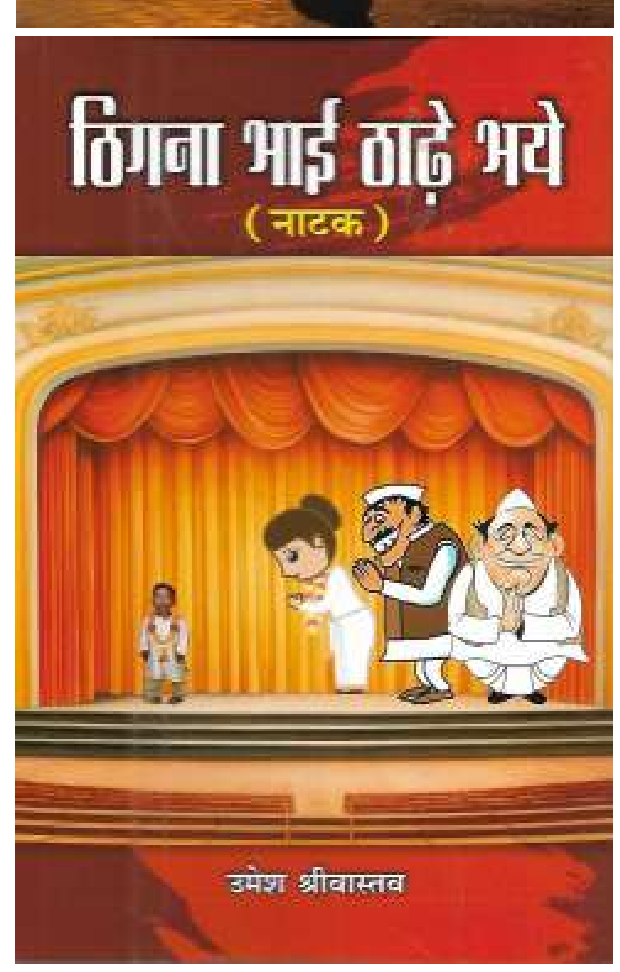

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नेपाल के पीएम ओली बर्फ पिघलने, समुद्र के बढ़ते जल स्तर का मुद्दा संरा महासभा में उठाएंगे

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने सोमवार को कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान बर्फ पिघलने और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के मुद्दे पर दुनिया का ध्यान आकर्षित करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में हिस्सा लेने के लिए अपनी आगामी अमेरिका यात्रा के बारे में प्रतिनिधि सभा को बताते हुए ओली ने कहा कि वह 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में मानव जाति व पृथ्वी के साथ–साथ

हिमालय और महासागरों के पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा पर नेपाल का स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। ओली 20 सितंबर को अमेरिका की यात्रा पर रवाना होंगे। यह प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। 'समिट ऑफ द फ्यूचर' का आयोजन 22 और 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में किया जाएगा। ओली ने कहा, "मैं यात्रा के दौरान देश की प्रतिष्ठा और गरिमा को कम नहीं होने दूंगा।" उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र को नेपाल की इस नीति से अवगत कराएंगे कि वह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार अन्य देशों के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता और दूसरे देशों को भी अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की इजाजत नहीं देता। ओली ने कहा, "मैं संयुक्त राष्ट्र महासभा में नेपाल के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों, एक संप्रभु स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उसकी पहचान, उचित राष्ट्रीय हित और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर अपने विचार स्पष्ट रूप से रखूंगा।

यागी तूफान ने मचाई म्यांमार में तबाही, 236 लोगों ने गंवाई जान, 77 लोग लापता

नेपीडॉ। यागी तूफान ने म्यांमार में तबाही मचा दी। इस तूफान के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ के कारण 236 लोगों की मौत हो गई। करीब 77 लोग लापता भी हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए)ने बताया कि मौतों के आंकड़ों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। कई सूत्रों का कहना है कि सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई सारे लापता हैं। सोमवार को जारी अपडेट के अनुसार, बाढञ के कारण 631,000 लोग प्रभावित हुए हैं। बता दें कि इस साल एशिया के सबसे शक्तिशाली तूफान टाइफून यागी ने एक

सप्ताह पहले म्यांमार, लाओस और वियतनाम में भारी तबाही मचाई थी। बाढ़ ऐसे समय में आई, जब फरवरी 2021 के विरोध में सेना और बलों के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस संघर्ष के कारण 30 लाख लोगों को अपने घरों से निकलकर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। ओसीएचए ने बताया कि बाढ़ के कारण यहां के लोगों को भोजन, पीने के पानी, दवा, कपड़े और आश्रय की तत्काल आवश्यकता है, लेकिन क्षतिग्रस्त सड़क और पुल राहत प्रयासों में बाधा डाल रही हैं। बाढ़ के कारण सबसे ज्यादा नेपीडॉ, सेंट्रल मांडले क्षेत्र, काया, कायिन और शान राज्य प्रभावित हुए। बता दें कि बाढ़ से प्रभावित म्यांमार की मदद के लिए भारत आगे आया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि सूखा राशन, कपड़े और दवाओं सहित 10 टन सहायता भारतीय नौसैनिक जहाज आईएनएस सतपुड़ा पर म्यांमार भेजी गई। भारतीय वायु सेना के सी–17 सैन्य परिवहन विमान ने लाओस तक 10 टन राहत सामग्री पहुंचाई, जबकि वियतनाम को 35 टन सहायता भेजी जा रही है। ओसीएचए ने यह भी बताया कि म्यांमार के राहत प्रयासों को गंभीर फंडिंग समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

ईरान छोड़िए, इजरायल ने लेबनान पर बरसा दी मिसाइलें

इजरायल और हिजबुल्ला के बीच की जंग लगातार तेज हो रही है। इजरायली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर जोरदार हमला किया और एक फुटेज भी जारी किया है जिसमें लेबनान में हिजबुल्ला के अलग अलग ठिकानों पर हमला किया गया है। हमला दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के सैन्य ठिकानों पर किया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि गाजा में युद्ध के लिए उनके टारगेट को बढ़ाया गया है। लेबनानी सीमा के पास के इलाकों से भागे इजरायलियों को उनके घरों में वापस लौटने में सक्षम बनाना शामिल है। इजरायल द्वारा गाजा पर युद्ध शुरू करने के बाद से इजरायली सेना और ईरान समर्थित लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के बीच लगभग हर दिन सीमा पार से गोलीबारी होती रही है। अमेरिका के एक शीर्ष दूत ने लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ लड़ाई को बढ़ाने पर इजरायल को चेतावनी दी है। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तरी सीमा क्षेत्रों से निकाले गए इजरायलियों को उनके घरों में वापस लाने के लिए सैन्य कार्रवाई ही एकमात्र रास्ता बची है। अमेरिका का यह संदेशतेल अवीव में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के साथ बिडेन प्रशासन के शीर्ष राजनयिक अमोस होचस्टीन की बैठकों में दिया गया है। अमेरिका का ये बयान उसकी बढ़ती चिंता को दर्शाता है कि गाजा में संघर्ष फैल सकता है। यमन के ईरान–समर्थित विद्रोहियों द्वारा दागी गई एक मिसाइल मध्य इजराइल के एक खुले क्षेत्र में गिरी, जिससे उसके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई हमले के सायरन बज उठे। इजराइल ने इसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई का संकेत दिया है। हमले में किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन इजराइली मीडिया ने कुछ वीडियो प्रसारित किए हैं जिनमें दिख रहा है कि बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लोग शरण लेने के लिए भाग रहे हैं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि इसके तुरंत बाद सामान्य परिचालन फिर से शुरू हो गया। मध्य इजराइल के एक ग्रामीण क्षेत्र में आग की लपटें देखी जा सकती थीं।

भारत से पंगा लेने के मूड में था ईरान, मुसलमानों पर दिया ज्ञान, 4 घंटे में ही मोदी सरकार ने कर दिया तगड़ा इलाज

पांच बजकर 16 मिनट पर भारत को लेकर खामनेई का एक ट्वीट आता है। इसके चार घंटे बाद भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से ईरान को उसी की भाषा में जवाब दिया जाता है। दरअसल, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई ने एक ट्वीट किया था। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने कहा है कि भारत में मुसलमानो का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होने सोशल मीडिया एक्स पर यह बात कही और दुनियाभर के मुसलमानों के बीच एकजुटता की जरूरत बताई। खामेनई ने लिखा कि अगर हम म्यामार, गाजा, भारत या किसी अन्य स्थान पर किसी मुस्लिम को होने वाली पीड़ा से बेखबर है तो हमें खुद को मुसलमान नहीं मानना चाहिए। खामेनई का हिंदी में भी एक अलग एक्स अकाउंट है, लेकिन इस पर ऐसा कोई पोस्ट नहीं किया गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के इस कथित आरोप पर अब भारत की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों का कड़े शब्दों में जवाब दिया है और खामेनेई के बयान की निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों पर टिप्पणी करने वाले देशों को दूसरों के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से पहले अपना रिकॉर्ड देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में अल्पसंख्यकों के संबंध में की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हैं। ये गलत सूचना पर आधारित और अस्वीकार्य हैं। जायसवाल ने कहा कि अल्पसंख्यकों पर टिप्पणी करने वाले देशों को सलाह दी जाती है कि वे दूसरों के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से पहले अपना रिकॉर्ड देखें। ईरान में राष्ट्रपति या सरकार महज औपचारिकता के लिए बनाई जाती है। सारी पावर ईरान के सुप्रीम लीडर के पास होती है। रिलीजियस या पॉलिटिकल सभी मसलों पर सुप्रीम लीडर ही मुख्य अथॉरिटी होता है। ईरान की सरकार या राष्ट्रपति के किसी भी फैसले को बदलने की भी पावर होती है। ईरान के अंदर ज्यूडिशरी, मिलिट्री कमांडर, मीडिया समेत सभी जरूरी संस्थानों के ऊपर अप्वाइंटमेंट का फैसला सुप्रीम लीडर का होता है। इसलिए ज्यूडिशयरी से लेकर आर्म फोर्स का कंट्रोल ईरान में सुप्रीम लीडर के पास होता है।

बांग्लादेश में लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण परिवर्तन का समर्थन करना सभी के हित में है : अमेरिकी राजनयिक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण और वैध परिवर्तन का समर्थन करना सभी के हित में है। प्रबंधन और संसाधन के उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा ने प्रतिष्ठित 'हडसन इंस्टीट्यूट' में एक सवाल के जवाब में कहा, ''मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण एक लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण, वैध परिवर्तन को समर्थन देने की कोशिश करना है। मुझे लगता है कि इसी में सभी की भलाई है।'' वर्मा ने कहा, ''उम्मीद है कि सुरक्षा बहाल होगी, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बहाल होगी और साथ ही लोगों को बुनियादी आर्थिक सेवाएं भी मिल जाएंगी।'' उन्होंने कहा, ''इसका निर्णय बांग्लादेश के लोगों को करना है कि कैसे और कब उन्हें नए चुनाव कराने हैं और सत्ता परिवर्तन के बाद बनी यह सरकार कब तक रहेगी।'' उन्होंने कहा, ''हमारी भूमिका लोगों का समर्थन करने की है। सच कहूं तो, किसी भी नागरिक के खिलाफ हमले चिंताजनक हैं। हमें उन्हें गंभीरता से लेना होगा। इसलिए मुझे लगता है कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'' अमेरिकी राजनयिक ने कहा, ''हमारे (विदेश मंत्रालय के) दल के वहां जाने की वजह एक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सत्ता परिवर्तन के लिए समर्थन देने का संकल्प था। मुझे लगता है कि यह अभी सबसे महत्वपूर्ण चीज है।'' अमेरिका के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को ढाका में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की और उन्हें दक्षिण एशियाई देश के लोगों के वास्ते अधिक न्यायसंगत और समावेशी भविष्य बनाने के लिए आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को विस्तार देने का आश्वासन दिया। यह बैठक ऐसे वक्त में की गयी जब 'यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' (यूएसएआईडी) ने कहा कि वह बांग्लादेश को विकास संबंधी परियोजनाओं, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए करीब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया कराएगी।

Trump पर हमले का क्या है यूक्रेन कनेक्शन? आग से खेलने का परिणा क्या होता है...रूस ने कसा तंज

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरी बार जानलेवा हमला हुआ है। कथित शूटर के यूक्रेनी लिंक सामने आए हैं। रूस ने लिंक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ट्रंप ने दिखाया है कि आग से खेलना के परिणाम हो सकते हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव से पूछा गया कि ट्रंप पर कथित हत्या के प्रयास के बारे में वह क्या सोचते हैं, जिसके जवाब में उन्होंने कहा यह हमें नहीं सोचना चाहिए, यह अमेरिकी खुफिया सेवाओं को सोचना चाहिए। किसी भी मामले में आग से खेलने के अपने परिणाम होते हैं। रूस की तरफ से आई इस टिप्पणी को रूस यूक्रेन जंग में कीव को समर्थन देने के एवज में एक तंज के तौर पर देखा जा रहा है। सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स सहित कई समाचार संगठनों ने संदिग्ध की पहचान हवाई के 58 वर्षीय रयान वेस्ले राउथ के रूप में की है। संदिग्ध के नाम पर तीन सोशल मीडिया अकाउंट भी थे और उनकी विषय–वस्तु से स्पष्ट रूप से पता चलता था कि वह रूस के खिलाफ चल रहे युद्ध में यूक्रेन का समर्थक है। गौरतलब है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर से निशाना बनाया गया। फ्लोरिडा के वेस्ट पॉम बीच के पास गोलियों की आवाजें सुनाई दी। यहीं पर ट्रंप गोल्फ खेल रहे थे। कहा जा रहा है कि निशाने पर ट्रंप थे। लेकिन इस घटना में ट्रंप पुरी तरह सुरक्षित हैं। एफबीआई ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और हत्या के प्रयास के तौर पर इस घटना की जांच कर रही है। जिस समय ये घटना हुई उस वक्त ट्रंप गोल्फ कोर्स में गोल्फ खेल रहे थे। इस घटना से मात्र नौ सप्ताह पहले ही एक बंदूकधारी ने पेंसिल्वेनिया में 13 जुलाई को एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप (78) को निशाना बनाकर गोलीबारी की थी। इस हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान को छूकर निकल गई थी। ट्रंप जहां गोल्फ खेल रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर छिपकर बैठे 'अमेरिकी सीक्रेट सर्विस' के एजेंट ने देखा कि लगभग 400 गज की दूरी पर झाड़ियों के बीच से एक राइफल की नाल दिख रही है। पाम बीच काउंटी के शेरिफ रिक ब्रेडशॉ ने बताया कि एक एजेंट ने गोली चलाई जिसके बाद वहां मौजूद संदिग्ध भाग गया।

'भारत की वित्तीय संभावनाओं को पूरी तरह से नहीं तलाशा गया', पूर्व मंत्री ईरानी ने गिनाई देश की उपलब्धियां

वॉशिंगटन। पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि भारत ने कितनी प्रगति कर ली है, इस बारे में लोगों का काफी कम जानकारी है। इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की वित्तीय संभावनाओं को पूरी तरह से नहीं तलाशा गया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह नहीं तलाशा गया

अमेरिका के ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में स्मृति ईरानी ने कहा, हमारे देश की वित्तीय संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह नहीं तलाशा गया है। एक अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को निकट दृष्टि से देखा जाता है, मान लीजिए कि इस पर दावोस में चर्चा होती है या (विश्व) बैंक में चर्चा होती है, लेकिन परिचालन के लिहाज से हम कई स्तरों पर अवसर पैदा करते हैं, जो दिखाई नहीं देते।

भारत के बारे में काफी कम जानकारी

फिलहाल अमेरिका की अनौपचारिक यात्रा पर आईं ईरानी ने कहा कि भारत ने कितनी प्रगति की है, इस बारे में जानकारी का काफी अभाव है। उन्होंने कहा, भारत द्वारा की गई जलवायु कार्रवाई के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। इसी तरह, मान लीजिए कि सटीक विनिर्माण में, कृषि आधारित उद्योग में, गलत धारणा यह है कि हमारी अर्थव्यवस्था केवल बड़े व्यवसायों के लिए खुली है।

844 अरब डॉलर का हो रहा कारोबार

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, श्वर्तमान में अगर आप हमारे देश के छोटे व्यापारियों को देखें तो 90 प्रतिशत खुदरा व्यापार तथाकथित असंगठित क्षेत्र में होता है। कारोबारी दृष्टिकोण से छोटी दुकानों, जिन्हें दिल्ली में अक्सर शकिराना दुकानश या अमेरिका में मॉम–एंड–पॉप स्टोर कहा जाता है, का कारोबार 844 अरब डॉलर का हो रहा है।

देश की गिनाईं उपलब्धियां

इतना ही नहीं उन्होंने तीन महीने से भी कम समय में वैक्सीन की 2.2 अरब खुराक देने की भारत की उपलब्धि पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, वे आश्चर्यचकित थे। जब मैं कहती हूं कि वे, मैं भारत के बाहर किसी की भी बात कर रही हूं विशेष रूप से पश्चिमी दुनिया, हैरान थे कि हम एक एप बना सकते हैं और न केवल खुराक बांट सकते हैं, बल्कि 600,000 गांवों को पता है कि महामारी में क्या करना है। उन्होंने कहा कि अन्य देश भी इस बात से आश्चर्यचकित थे कि भारत केवल तीन महीनों में पीपीई सूट निर्माण में एक प्रमुख शक्ति बन सकता है, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन सकता है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है और आपूर्ति श्रृंखला में वित्तीय बाधाओं को तोड़ सकता है।

हमें इसका उठाना चाहिए लाभ

भाजपा नेता ने कहा, हमें इस तथ्य का भी लाभ उठाना चाहिए और इस पर जोर देना चाहिए कि भारत में हमने यह साबित कर दिया है कि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखलाओं को राजनीतिक कारणों से बंधक नहीं बनाया जाएगा। यह एक ऐसा संदेश है जिसे भारत बार–बार दुनिया को दे सकता है। कोविड से निपटने में हमारी शानदार सफलता एक ऐसी चर्चा है, जो अक्सर दोहराई नहीं जाती है।

तब हमने न केवल अपना टीका बनाया बल्कि...

उन्होंने आगे कहा, लेकिन जब हम मुश्किल में थे, तब हमने न केवल अपना टीका बनाया, हमने न केवल अपने नागरिकों की पूरी क्षमता से रक्षा की, बल्कि हम तब से 80 करोड़ भारतीयों को खाना भी खिला रहे हैं, जो दुनिया के किसी भी देश द्वारा संभव नहीं है। इसलिए, मुझे लगता है कि हम भारतीयों के लिए नैतिक रूप से यह जरूरी है कि जब भी हम अपने देश से बाहर हों, इन मुद्दों पर बात करते रहें और कहें कि हमने इतना कुछ किया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दुनिया के कदम उठाने का इंतजार नहीं कर रहा है, बल्कि उसने दुनिया के लाभ के लिए समाधान तैयार किए हैं।

पाक सरकार ने संसद में विवादास्पद संविधान संशोधन विधेयक एक बार फिर पेश नहीं किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की गठबंधन सरकार ने एक बार फिर संसद में विवादास्पद संविधान संशोधन विधेयक को पेश नहीं किया। ऐसा स्पष्ट तौर पर इसे पारित कराने के लिए आवश्यक संख्याबल की कमी के कारण हुआ। संशोधनों का विवरण अभी भी रहस्य बना हुआ है, क्योंकि सरकार ने आधिकारिक तौर पर इसे मीडिया के साथ साझा नहीं किया है या सार्वजनिक रूप से इस पर चर्चा नहीं की है। अब तक जो रिपोर्ट मिली है, उससे पता चलता है कि सरकार न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने और उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश का कार्यकाल तय करने की योजना बना रही है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने मीडिया को बताया कि संशोधन विधेयक सोमवार को संसद में पेश नहीं किया जाएगा। सिद्दीकी ने जियो न्यूज से कहा कि सोमवार को दोनों सदनों का सत्र "स्थगित" रहेगा और "अगली बार यह तब बुलाया जाएगा, जब हम संवैधानिक संशोधन पेश करने के लिए सभी पहलुओं से तैयार होंगे''। यह पूछे जाने पर कि क्या इस मामले में महीनों तक देरी हो सकती है, पीएमएल–एन सीनेटर ने कहा कि विधेयक एक या दो सप्ताह के भीतर पेश किए जाने की संभावना है। सीनेटर ने कहा, ''हमारी इच्छा थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।